

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुंवर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र दिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ल ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

मान्यता

ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियों सुधारी जाती है।

HERO, BAJAJ, HONDA, TVS

मनीष वर्मा
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महारणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

दाहोद सांसद जसवंतसिंह भामोर के प्रतिनिधित्व में बालाघाट पहुंची..

वड़नगर से वाराणसी सेवा संकल्प यात्रा का हुआ भव्य स्वागत, बच्चों को की खेल सामग्री वितरित..

हितग्राही संवाद और अटल उद्यान में किया गया वृक्षारोपण..

स्वच्छता प्रहरियों पर बरसाए गए फूल, हितग्राहियों ने सुनाई जीवन बदलने की कहानी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा काल को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वड़नगर से वाराणसी तक निकाली जा रही मोटर साइकिल यात्रा आज बालाघाट जिला मुख्यालय पहुंची, जहां इस यात्रा का नगर पालिका परिषद बालाघाट में भव्य स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में स्वच्छता प्रहरियों का शौल, श्रीपल और पुष्पवर्षा से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में गुजरात के दाहोद लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश 'पप्पू' बिसेन, पूर्व नया अध्यक्ष रमेश रंगलानी सहित सभापतिगण, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता, यात्रा में शामिल बाइकर्स एवं हितग्राही उपस्थित रहे। नगर पालिका परिषद के कार्यक्रम के पश्चात अटल उद्यान में अटलजी की मूर्ति पर माल्यार्पण के पश्चात वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन योजना शाखा की सभापति श्रीमती योगिता विनय बोपचे ने किया। अंत में नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री योगेश 'पप्पू' बिसेन ने अतिथियों, यात्रा में शामिल बाइकर्स, स्वच्छता प्रहरियों, हितग्राहियों एवं उपस्थित सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेवा से जुड़े आयोजन करते हुए आगे बढ़ रही यात्रा का बालाघाट नगर के विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा दल ने सर्वप्रथम आदिवासी बच्चों के छात्रावास पहुँचकर विद्यार्थियों से भेंट की और उन्हें खेलकूद की सामग्री वितरित की। इसके पश्चात सभी यात्री नगर पालिका परिषद में आयोजित स्वच्छता प्रहरी सम्मान एवं हितग्राही संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए।

हितग्राही संवाद का हुआ आयोजन..

सेवा संकल्प अभियान यात्रा का नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर के नेतृत्व में किये गए स्वागत कार्यक्रम में हितग्राही संवाद का आयोजन किया गया। इस



दौरान मोदी सरकार में योजनाओं से मिले लाभ से जीवन में कैसे बदलाव आया, किन कठिनाईयों से निजात मिली, ऐसे अनेक अनुभव हितग्राही संवाद में लाभार्थियों ने सुनाए। जनकल्याणकारी योजनाओं से जीवन में आए बदलाव में लाभार्थियों में किसी परिवार को बच्चे के हृदय का उपचार मिला, किसी को पक्की छत, तो किसी को व्यवसाय फिर से खड़ा करने का सहारा, ऐसे अनेक वृत्तान्त सुनाए गए।

शहर को स्वच्छ रखने वाले हाथों का सम्मान..

कार्यक्रम में स्वच्छता प्रहरियों को शौल एवं श्रीफल भेंट कर तथा उन पर पुष्पवर्षा कर उनके श्रम और समर्पण का अभिनंदन किया गया। अतिथियों ने कहा कि प्रतिदिन नगर की सफाई में जुटने वाले स्वच्छता प्रहरी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके परिश्रम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ नागरिकों को भी स्वच्छता अपनी जिम्मेदारी मानकर सहयोग करना चाहिए।

सुनाए अपने अनुभव..

हितग्राही संवाद में बालाघाट निवासी 15 वर्षीय जैद खान के हृदय का ऑपरेशन मुंबई में आयुष्मान कार्ड के माध्यम से कराया गया, जिसकी जानकारी हितग्राही द्वारा दी गई। किरनापुर निवासी पाँच माह के मिरांश नागपुरे के माता-पिता ने बताया कि उनके बच्चे के

हृदय में छेद था। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 4 लाख 97 हजार रुपये का उपचार उपलब्ध हुआ और बच्चे की हृदय की सर्जरी कराई गई। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की लाभार्थी प्रिया भास्कर ने योजना से मिले सहयोग का अनुभव साझा किया। वार्ड क्रमांक 13 की निवासी श्रीमती लीला भालाधरे ने बताया कि पति की मृत्यु के बाद परिवार के सामने कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न हो गई थीं। ऐसे समय में सबल योजना के माध्यम से प्राप्त दो लाख रुपये की अनुग्रह सहायता ने परिवार को आर्थिक संबल दिया। वार्ड क्रमांक 22 के निवासी विनय कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना काल की कठिनाईयों के बीच प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना उनके व्यवसाय का सहारा बनी। उन्होंने क्रमशः 10 हजार, 20 हजार और 50 हजार रुपये का ऋण लिया तथा उसका पूरा भुगतान किया।

उज्ज्वला आजीविका स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती रानी फुलसुगे ने समूह के माध्यम से मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। दस हजार रुपये के छोटे ऋण से शुरुआत करने वाली महिलाएँ आज दो लाख रुपये से अधिक का ऋण लेकर अपने रोजगार का विस्तार कर रही हैं। पूर्व पार्षद शेख साबिर ने बताया कि पार्षद रहते हुए जब वे नगर से बाहर गए थे, उसी दौरान बारिश में उनका घर गिर गया था। इस कठिन परिस्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना उनका सहारा बनी। योजना से प्राप्त ढाई लाख रुपये की सहायता

में अपनी राशि जोड़कर उन्होंने पक्का घर बनाया।

बोले सांसद जसवंतसिंह भामोर..

गुजरात से पधारे सांसद जसवंतसिंह सुमनभाई भामोर ने बालाघाट में मिले आत्मीय स्वागत के लिए नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब जरूरतमंद परिवार उपचार, पक्के आवास और स्वरोजगार में मिली सहायता के अनुभव बताते हैं, तब जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक महत्व सामने आता है। उन्होंने युवा बाइकर्स के उत्साह और सेवा भावना की सराहना करते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में प्रत्येक नागरिक से सहभागी बनने का आह्वान किया।

बोली भारती ठाकुर..

नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका द्वारा प्रतिदिन स्वच्छता महाअभियान चलाया जा रहा है। नागरिकों से संवाद कर उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिले और जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुँचे। उन्होंने स्वच्छता प्रहरियों के योगदान को नमन करते हुए नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की।

वन स्टॉप सेंटर पहुंची वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय की छात्राएं सेवाओं की ली जानकारी..

महिला हेल्पलाइन 181 सहित सुरक्षा एवं सहायता सेवाओं के बारे में किया गया जागरूक..



जगप्रेरणा बालाघाट। मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर, बालाघाट में वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय की छात्राओं का एक्सपोजर विजिट आयोजित किया गया।

इस दौरान छात्राओं को वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली तथा संकटग्रस्त महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सेवाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान वन स्टॉप सेंटर प्रशासिका सुश्री रचना चौधरी भी मौजूद रही। वन स्टॉप सेंटर की टीम ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 181 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि किसी महिला अथवा बालिका के साथ हिंसा, उत्पीड़न या किसी प्रकार की आपात स्थिति होने पर हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है। छात्राओं को महिला अपराध की रोकथाम, संकटग्रस्त महिलाओं के



रेस्क्यू, प्रकरण दर्ज करने की प्रक्रिया तथा आवश्यकता के अनुसार पुलिस सहायता, चिकित्सा सुविधा, विधिक सहायता, परामर्श एवं अस्थायी आश्रय जैसी सेवाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। एक्सपोजर विजिट के दौरान छात्राओं को वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं और कार्यप्रणाली की समझाने के साथ जागरूक एवं सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। छात्राओं ने सेंटर की विभिन्न गतिविधियों एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती भावना शांडिल्य एवं श्रीमती सोनम श्रीवास उपस्थित रहीं।

बाल श्रम टास्कफोर्स एवं बंधक पुनर्वास समिति की बैठक हुई सम्पन्न



जगप्रेरणा बालाघाट।

जिला बाल श्रम टास्कफोर्स एवं बंधक श्रमिक पुनर्वास समिति की संयुक्त बैठक 28 सितंबर 2026 को कलेक्टर कार्यालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बाल एवं किशोर श्रम की रोकथाम तथा बंधक श्रमिकों के पुनर्वास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न दाहिया, जिला बाल कल्याण समिति के सदस्यगण, विशेष किशोर पुलिस इकाई के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्था के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता श्री हरि गौतम एवं श्रम निरीक्षक उपस्थित रहे। बैठक का संचालन श्रम

पदाधिकारी श्री राकेश ठाकरे ने किया। बैठक में श्रम निरीक्षक श्री सुनील यादव ने बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के प्रावधानों, संशोधनों के बाद हुए बदलावों एवं अधिनियम के प्रमुख बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का नियोजन पूर्णतः प्रतिबंधित है। इसी प्रकार 14 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों का खतरनाक प्रक्रियाओं एवं कार्यों में नियोजन प्रतिबंधित है। बैठक में बंधक श्रम से संबंधित अधिनियम एवं प्रावधानों की भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

अपर कलेक्टर श्री डी.पी. बर्मन ने संस्थानों, होटल, दुकानों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में कार्यरत बाल श्रमिकों की पहचान एवं रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बाल श्रम के मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

एनसीसी भर्ती के नाम पर अनुचित दबाव मामले में बैहर में सड़क पर उतरी विद्यार्थी परिषद..

300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने निकाली आक्रोश यात्रा, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, मांगें नहीं मानी तो बस स्टैंड पर धरने की चेतावनी..

जगप्रेरणा बैहर।

बालाघाट जिले के बैहर में शासकीय अरण्य भारती स्नातकोत्तर महाविद्यालय, की छात्राओं के साथ हुए कथित शोषण के मामले में न्याय और सुरक्षा की मांग को लेकर

सोमवार 28 सितंबर को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया। महाविद्यालय परिसर से निकली छात्र आक्रोश यात्रा में 300 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। नारेबाजी करते हुए यात्रा एसडीएम कार्यालय पहुंची, जहां एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

परिषद ने आरोप लगाया कि महाविद्यालय के एनसीसी प्रभारी डॉ. आरएस कुशराम द्वारा छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता था



छात्राओं की पहचान गोपनीय रखने की मांग की गई। इसके साथ ही बैहर बस स्टैंड से महाविद्यालय परिसर तक सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग रखी गई।

परिषद के जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल ने कहा कि यह लड़ाई केवल एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि छात्राओं के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ है। उन्होंने पीड़िताओं, उनके परिवारों और आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं पर किसी भी तरह का दबाव नहीं बनाए जाने की मांग की। एसडीएम और एसडीओपी बैहर ने छात्राओं एवं परिषद प्रतिनिधियों को समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई तथा सुरक्षा का आश्वासन दिया। बस स्टैंड से कॉलेज तक सीसीटीवी कैमरे लगाने के संबंध में भी आश्वासन दिया गया। परिषद ने मांगों पर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में बस स्टैंड पर धरना देने की चेतावनी दी। प्रदर्शन में कलश असाटी, रेड बुड्डे, सदीप उड्डे, शरद बाजपाई, रैनित मेडवो, मनोज उड्डे, सोमिका यादव, दुर्गा उड्डे, चुनेन्द्र कमेटो की भूमिका की जांच, वर्ष 2022 से सामने आ रही शिकायतों पर कार्रवाई, प्रोफेसर रंजना कुशराम के स्थानांतरण तथा पीड़ित

तथा एनसीसी भर्ती के नाम पर अनुचित दबाव बनाए जाने और ब्लैकमेल किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के बाद परिषद ने पीड़ित छात्राओं और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

ज्ञापन में महाविद्यालय की महिला उत्पीड़न कमेटी की भूमिका की जांच, वर्ष 2022 से सामने आ रही शिकायतों पर कार्रवाई, प्रोफेसर रंजना कुशराम के स्थानांतरण तथा पीड़ित

आश्वासन दिया। बस स्टैंड से कॉलेज तक सीसीटीवी कैमरे लगाने के संबंध में भी आश्वासन दिया गया। परिषद ने मांगों पर कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में बस स्टैंड पर धरना देने की चेतावनी दी। प्रदर्शन में कलश असाटी, रेड बुड्डे, सदीप उड्डे, शरद बाजपाई, रैनित मेडवो, मनोज उड्डे, सोमिका यादव, दुर्गा उड्डे, चुनेन्द्र कमेटो की भूमिका की जांच, वर्ष 2022 से सामने आ रही शिकायतों पर कार्रवाई, प्रोफेसर रंजना कुशराम के स्थानांतरण तथा पीड़ित

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत स्वास्थ्य शिविर एवं नुक्कड़ नाटक आयोजित..

142 छात्राओं एवं स्टाफ का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक..

जगप्रेरणा बालाघाट।

शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता में यूथ रेड क्रॉस, एनएसएस, रेड रिबन क्लब एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया गया।

अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जागरूकता, सिकल सेल एनीमिया एवं हीमोग्लोबिन जांच शिविर के साथ स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सा अधिकारियों, नर्सिंग ऑफिसर्स, पैरामेडिकल स्टाफ एवं सहयोगी दल द्वारा छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान छात्राओं



का वजन, ऊंचाई, बीएमआई, हीमोग्लोबिन स्तर एवं सिकल सेल परीक्षण सहित आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दर्ज की गई। चिकित्सकीय परामर्श के बाद आवश्यकता के अनुसार छात्राओं को दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई।

शिविर के दौरान आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता सत्र में छात्राओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, महिला स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में जानकारी दी गई। आरबीएसके की चिकित्सा अधिकारी डॉ. त्रिवेणी मेश्राम, चिकित्सा अधिकारी डॉ. त्रिवेणी सोनी एवं श्री संजय मानेश्वर, एपीए ने

छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही एड्स एवं अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया।

शिविर में कुल 142 छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। आयोजन में चिकित्सा अधिकारियों के साथ नर्सिंग ऑफिसर्स, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट एवं सपोर्टिंग स्टाफ ने सहयोग किया। समायन अवसर पर प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने छात्राओं को पौष्टिक भोजन एवं स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी।

इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। साथ ही एड्स एवं अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया। आयोजन में चिकित्सा अधिकारियों के साथ नर्सिंग ऑफिसर्स, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट एवं सपोर्टिंग स्टाफ ने सहयोग किया। समायन अवसर पर प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर ने छात्राओं को पौष्टिक भोजन एवं स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जानकारी दी।

विज्ञापन संकलन

बलजीत सिंह बकौड़े

धनोरा जिला सिवनी

संपर्क - मो. 724759070

जग प्रेरणा

3 मंगलवार 29 सितम्बर 2026

live

जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

केवलारी में दर्दनाक हादसा, ट्रेन की चपेट में आने से होनहार युवक अंशुल यादव की मौत

खेल प्रेमियों में शोक की लहर...

जगप्रेरणा केवलारी। नगर ने अपने एक होनहार, मिलनसार और बहुमुखी प्रतिभा के धनी युवा को हमेशा के लिए खो दिया है। सुबह की सैर और व्यायाम के लिए निकले युवा अंशुल यादव की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। इस आकस्मिक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। दरअसल केवलारी के पशु चिकित्सालय

के पास रहने वाले राजकुमार यादव के सुपुत्र अंशुल यादव हर रोज की तरह सोमवार की सुबह भी लगभग 5 बजे खेल और



अंशुल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और रेल

व्यायाम के अभ्यास के लिए बड़े ग्राउंड की ओर निकले थे।

किंतु नियति को कुछ और ही मंजूर था। ग्राउंड जाने के दौरान अचानक वेन रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि

पुलिस ने मामले की कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के पश्चात परिजनों को सौंप दिया जिसके बाद बड़ी संख्या में लोगों ने अंतिम बिदाई देते हुए अंशुल का अंतिम संस्कार किया। एक उभरते हुए सितारे के यूँ अचानक चले जाने से केवलारी के खेल प्रेमियों, परिजनों और नगरवासियों में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने अंशुल के असाधारण निधन पर गहरा दुःख जताते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को यह असहनीय आघात सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

कांग्रेस ने मनायी अमर शहीद भगतसिंह की जयंती

जगप्रेरणा सिवनी।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर शहीद भगतसिंह की जयंती जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन सिवनी में मनायी गई। सर्वप्रथम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी द्वारा भगत सिंह के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीपप्रज्ज्वलित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया, तत्पश्चात उपस्थित कांग्रेस जनो न पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता जेपीएस तिवारी द्वारा जारी विज्ञप्ति में श्री मरावी ने उपस्थित कांग्रेस जनो को सम्बोधित करते हुए कहा कि शहीद भगत सिंह ने आजादी प्राप्ति के आंदोलन में महज 23 वर्ष की आयु में स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूत राजगुरु और सुखदेव के साथ हंसते हंसते अंग्रेजों द्वारा दी गई फांसी चढ़ गए। स्वतंत्रता संग्राम के लिए कांतिवीर भगतसिंह ने ब्रिटिश के



शक्तिशाली शासन के खिलाफ अभूतपूर्व साहस के साथ मुकाबला किया। पहले लाहौर में बनीसंडर की हत्या और इसके बाद दिल्ली की केन्द्रीय संसद(सेंटर असेम्बली) में बम विस्फोट करके ब्रिटिश सम्राज्य के खिलाफ खुले विद्रोह की आवाज को बुलंद की। आज जिला कांग्रेस कार्यालय में ऐसे महापुरुष की जयंती हम सभी कांग्रेस जन मना रहे हैं।

जयंती कार्यक्रम में हाजी मो. हनीफ खान, हाजी मो. असलम खान, मोहनसिंह चंदेल, जेपीएस

तिवारी, विष्णु करोसिया, शिव सनोडिया, आदित्य मोन्दू भूरा, श्रीमती चित्रा बिसेन, श्रीमती ललिता बघेल, तेजसिंह रघुवंशी, घनश्याम सनोडिया, सतीश सरयाम, दुपेन्द्र लकी अमूले, गिडियन टी सिंह, यशपाल भलावी, अशोक कुमार नरेती, राजिक अकील, तनवीर अहमद, नब्बू भाई, कैलाश अर्वाधिया, मोहनसिंह ठाकुर, नन्दू यादव, सुजीत गोदरे, डा. जयप्रकाशसिंह परिहार, आनंद श्रीवास्तव, सतेन्द्र बघेल की उपस्थिति रही।

चयनित 16 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु पहुंचाया गया अहमदाबाद



जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में आयोजित ओलंपियाड परीक्षा में शामिल हुए जिले के बच्चों में से चयनित 16 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु अहमदाबाद पहुंचाया गया है इसमें मार्गदर्शक शिक्षक के रूप में भोगाखेड़ा के प्राचार्य विपनेश जैन एवं अनामिका बघेल शामिल हैं।

गौरतलब है कि आज शिक्षा विभाग में पदस्थ एपीसी श्रीमती संयुक्त उईके एवं अन्य शिक्षा विभाग के

अधिकारियों की उपस्थिति में इस टीम को रवाना किया गया यह छ दिवसीय भ्रमण के दौरान दल के छात्र-छात्राएं विभिन्न स्थानों पर जाएंगे तथा नए-नए अनुभव को संग्रहित कर उन्हें अपने अध्ययन में जोड़ेंगे एपीसी सी संयुक्त ने बताया कि शासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक ऐसा अवसर प्रदान किया गया है जिसके माध्यम से वे नए-नए अनुभवों को संग्रहित कर नए अविष्कार से जोड़कर बीएसएफ में कार्य करेंगे।

30 सितंबर को नगरपालिका चौक पर धरना प्रदर्शन करेगी कांग्रेस...

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस सिवनी द्वारा दिनांक 30 सितंबर को दोपहर 12 बजे नगरपालिका चौक पर भारत निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा केंद्र की मोदी सरकार को असंवैधानिक तरीके से मतदाता सूची में हेराफेरी कर चुनावों में वोट चोरी के माध्यम से भाजपा सरकारों को लाभ पहुंचाने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन आयोजित है

धरना प्रदर्शन के पश्चात नेहरू रोड से शुरूवारी होते हुए कचहरी चौक होकर कलेक्ट्रेट परिसर तक पैदल मार्च कर जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने समस्त जिला के वरिष्ठ कांग्रेस जन, विधायक गण पूर्व विधायक गण, प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि गण, जिला कांग्रेस पदाधिकारी गण एवं समस्त ब्लॉक कांग्रेसएं नगर कांग्रेस

युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल, जिला एनएसयुआई, मंडलम, सेक्टर कांग्रेस, विभाग, प्रकोष्ठ के अध्यक्ष व पदाधिकारी एवं सभी पंचायत कांग्रेस अध्यक्ष गण एवं बीएलए गणों से आग्रह किया है कि आप सभी सम्माननीय कांग्रेस जन आंदोलन में अपने साथी सहयोगियों सहित अनिवार्य रूप से माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। जिससे चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस द्वारा चलायी जा रही मुहिम सफल हो सके।

सिवनी के जीआई सीताफल को बाजार से जोड़ने की पहल, किसान प्रशिक्षण के लिए महाराष्ट्र रवाना



जगप्रेरणा सिवनी।

जिले के जीआई प्राप्त सीताफल को बाजार से जोड़ने, उत्पादन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा देने तथा सीताफल उत्पादक कृषकों को अधिक लाभ दिलाने के उद्देश्य से 'सीताफल से समृद्धि' अभियान के तहत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के विशेष प्रयासों से सीताफल के उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन तक की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर पहल की जा रही है। इसी क्रम में 23 सितम्बर को जिला स्तरीय सीताफल कार्यशाला आयोजित कर कृषकों को विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन दिलाने के साथ ही सीताफल उत्पादन एवं प्रसंस्करण के क्षेत्र में कार्य कर रहे अग्रणी कृषकों से रूबरू कराया गया। कार्यशाला के बाद आज सीताफल उत्पादक कृषकों, उद्यमियों एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों का 15 सदस्यीय दल प्रशिक्षण-सह-भ्रमण के लिए महाराष्ट्र रवाना हुआ। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने हरी झंडी दिखाकर दल के वाहन को रवाना किया। जिला उद्यानिकी अधिकारी डॉ. आशा उपवंशी वासेवार के नेतृत्व में रवाना हुआ दल महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में

सीताफल की उन्नत खेती, प्रसंस्करण एवं विपणन से जुड़ी गतिविधियों का अध्ययन करेगा। दल में सीताफल उत्पादक कृषकों एवं उद्यमियों को शामिल किया गया है, ताकि वे सीताफल की खेती से लेकर प्रसंस्करण एवं बाजार तक की पूरी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें। प्रशिक्षण-सह-भ्रमण कार्यक्रम के प्रथम दिवस दल द्वारा महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम, नागपुर स्थित दिनशां आइसक्रीम फैक्ट्री का भ्रमण किया जाएगा। यहां दिनशां कंपनी के प्रबंधकों के साथ बैठक कर सीताफल पल्प के क्रय-विक्रय एवं व्यावसायिक उपयोग की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। साथ ही सीताफल के प्रसंस्कृत उत्पादों के लिए बाजार की संभावनाओं एवं उद्योगों की आवश्यकताओं को समझा जाएगा। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस दल द्वारा महाराष्ट्र के अमरावती जिले में स्थित विभिन्न सीताफल उत्पादक कृषकों के प्रखेठों तथा सीताफल प्रसंस्करण इकाई का भ्रमण किया जाएगा। यहां कृषक उन्नत खेती की तकनीकों, उत्पादन प्रबंधन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन से जुड़ी गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे तथा सीताफल उत्पादन के क्षेत्र में कार्य कर रहे अग्रणी कृषकों के अनुभवों से भी परिचित होंगे।

श्रमिकों को निर्धारित समय पर वेतन भुगतान करना अनिवार्य

जगप्रेरणा सिवनी।

सहायक श्रम पदाधिकारी, जिला सिवनी ने बताया कि श्रमायुक्त, मध्यप्रदेश, इंदौर द्वारा सभी शासकीय विभागों, विश्वविद्यालयों, निगमों एवं मंडलों में कार्यरत श्रमिकों के हित में महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों के तहत सभी संबंधित संस्थानों एवं नियोजकों को अपने यहां कार्यरत श्रमिकों को न्यूनतम वेतन का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करना होगा। वेतन भुगतान में लापरवाही अथवा निर्धारित नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित दोषी नियोजकों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जारी निर्देशों में वेतन भुगतान अधिनियम, 1936 की धारा 5 के वैधानिक प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिनियम के

अनुसार वेतन भुगतान के लिए निम्नानुसार समय-सीमा निर्धारित है जिसमें 7 तारीख तक वेतन भुगतान- ऐसी औद्योगिक अथवा अन्य स्थापनाएं, जहां 1,000 से कम व्यक्ति अथवा श्रमिक नियोजित हैं, वहां प्रत्येक माह की 7 तारीख तक वेतन का भुगतान अनिवार्य रूप से किया जाना होगा। 10 तारीख तक वेतन भुगतान- ऐसी स्थापनाएं, जहां 1,000 से अधिक व्यक्ति अथवा श्रमिक कार्यरत हैं, वहां प्रत्येक माह की 10 तारीख तक वेतन का भुगतान किया जाना अनिवार्य है। सहायक श्रम पदाधिकारी ने सभी संबंधित नियोजकों से अपील की है कि श्रमिकों को निर्धारित समय-सीमा में न्यूनतम वेतन एवं देय पारिश्रमिक का भुगतान सुनिश्चित करें तथा श्रम कानूनों के प्रावधानों का पालन करें।

खामखरेली में शानदार सेला नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन, 40 से 45 टीमों ने लिया हिस्सा



जगप्रेरणा काहीवाड़ा। सिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खामखरेली में मूलनिवासी परंपरागत जन जागृति समिति के तत्वावधान में भव्य सेला नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं पितृशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पारंपरिक संस्कृति और लोककला को बढ़ावा दिया।

प्रतियोगिता में लगभग 40 से 45 सेला नृत्य टीमों ने हिस्सा लिया। विभिन्न ग्रामों से पहुंची टीमों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, वाद्य यंत्रों और मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। देर तक चले कार्यक्रम में पूरा परिसर पारंपरिक लोकधुनों और सेला नृत्य की थाप से गुंजता रहा।

प्रतियोगिता में सरंगपुर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। टीम की शानदार प्रस्तुति पर उपस्थित दर्शकों ने तालियों के साथ उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि ईश्वरदयाल वरकड़े, कार्यक्रम संरक्षक महेश मार्सकोले, मंच संचालक भारत इनवाती एवं

अपना संस्कृति आर लोक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खामखरेली में आयोजित इस भव्य सेला नृत्य प्रतियोगिता ने ग्रामीण अंचल में सांस्कृतिक एकता और पारंपरिक कला के संरक्षण का सुंदर संदेश दिया।

सेवा संकल्प यात्रियों का छिंदवाड़ा चौक में हुआ भव्य स्वागत स्वच्छता में विशेष योगदान देने वाले 10 सफाई मित्र सम्मानित



दलसागर चौपाटी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

जगप्रेरणा सिवनी।

सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत वडनगर से वाराणसी तक निकाली जा रही जन सेवा संकल्प बाइक यात्रा के सिवनी नगर प्रवास के दौरान नगर पालिका परिषद सिवनी द्वारा छिंदवाड़ा चौक में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा सेवा संकल्प यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले नगर पालिका परिषद सिवनी के 10 सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। सेवा यात्रियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सफाई मित्रों को शॉल, श्रीफल एवं शील्ड भेंट कर उनके सेवाभावी कार्यों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। सम्मानित सफाई मित्रों में श्री शहीद, श्री अमित, श्री शरद, श्री विनोद, श्री सुदेश तथा महिला सफाई मित्र श्रीमती जुलेखा, श्रीमती रामकली, श्रीमती सीमा, श्रीमती भारती समुद्रे एवं श्रीमती दुर्गा चौहान शामिल रहे। इसके पश्चात दलसागर चौपाटी में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों द्वारा लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। वहीं

नुकड़ नाटक एवं लाइट-शो के माध्यम से सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को आकर्षित किया और कार्यक्रम में उत्साह का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी, सिवनी विधायक श्री दिनेश राय , बरघाट विधायक श्री कमल मर्सकोले, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन, पूर्व सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन, पूर्व विधायक श्री नरेश दिवाकर, श्री राकेश पाल, श्री आलोक दुबे, श्री प्रेम तिवारी, श्री संतोष अग्रवाल, श्री मुकेश बघेल, श्री गजानंद पंचेश्वर, यात्रा प्रभारी श्री नवनीत सिंह ठाकुर, पार्षद श्री राजेश राजू यादव सहित जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद सिवनी की मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री दिशा डेहरिया, सहायक यंत्री श्रीमती देवेशी धुर्वे, उपयंत्री श्री ऋषिकेश शर्मा, श्री जोतेश मंडाले, श्री मुकेश चौहान सहित निकाय के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय प्रशासन के अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वडनगर से वाराणसी तक निकाली जा रही इस यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं सामाजिक सहभागिता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। यात्रा के माध्यम से जनसेवा एवं सामाजिक सहभागिता का संदेश आमजन तक पहुंचाया जा रहा है।

श्री गणेशोत्सव समितियों का सम्मान समारोह 30 सितंबर को

जगप्रेरणा सिवनी।

नगर में विगत 14 सितंबर से लेकर 25 सितंबर तक आयोजित हुए श्री गणेशोत्सव महापर्व का शास्त्रागत विधि-विधान, पारंपरिक ढंग से धर्म एवं देशभक्ति से ओतप्रोत सफल आयोजन के लिए जिला युवा संधि समाज सेवी संस्था का द्वारा श्री गणेशोत्सव समितियों का सम्मान समारोह आगामी 30 सितंबर दिन बुधवार को रात्रि 7.30 बजे से स्थानीय काली चौक स्थित माता महाकाली मंदिर प्रांगण में जिला पुलिस अधीक्षक कृष्ण लाल चंदानी के मुख्यातिथ्य में आयोजित किया गया है। जिला युवा संधि समाज सेवी संस्था के अध्यक्ष दिलीप नेमा के द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि इस कार्यक्रम की अध्यक्ष समाज सेवी सुबोध बाइल के द्वारा की जायेगी जबकि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ माता महाकाली की महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ होगा। इसके पश्चात नगर में श्रीगणेश उत्सव के सफल आयोजन के लिए अतिथियों के द्वारा अपने विचार व्यक्त किये जायेंगे।

श्री नेमा ने आगे बताया कि नगर में आयोजित श्रीगणेश उत्सव में उन समितियों का सम्मान मंच से किया जायेगा, जिनके द्वारा शास्त्रागत विधि-विधान, क्षेत्रीय परंपरा एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत पंडालों की साज-संजा की प्रतिमा की स्थापना की और उत्सव के

दौरान प्रतिदिन दोनों समय आरती-पूजन अर्चन किया। साथ ही पंडालों के अंदर नशे का सेवन कर आने वालों के प्रवेश को निषेध किया। इसके लिए जिला युवा संधि के पदाधिकारियों के द्वारा श्रीगणेश उत्सव के दौरान अलग-अलग जल्थे में नगर के अलग-अलग पंडालों का भ्रमण कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली समितियों का चयन किया गया है, जिन्हे मंच के माध्यम से शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा, साथ ही संत्वपाना पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। दिलीप नेमा ने आगे बताया कि हमारी संस्था का उद्देश्य विलुप्त होते हुए श्रीगणेश उत्सव को पुनर्जीवित करना है, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी को ऐसे उत्सव एवं पूजन पाठ के संबंध में जानकारी मिल सके और हमारे स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास की भी जानकारी उपलब्ध हो सके। क्योंकि श्रीगणेश उत्सव की सार्वजनिक रूप से मनाये जाने की शुरूवात ही स्वतंत्रता संग्राम में लोगों को एकत्र कर अपनी बात एक-दूसरे तक पहुंचाने के लिए लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के द्वारा 1893 में की गई थी और आज जब इस आधुनिकता के दौर में हम सब एक दूसरे से दूर हो रहे हैं ऐसे में इस तरह के आयोजन सामाजिक एकता की स्थापना के लिए बहुत ही जरूरी है। जिला युवा संधि समाज सेवी संस्था के पदाधिकारी एवं स्वयंसेवकों ने समस्त श्रीगणेशोत्सव समितियों एवं आमजनों व्यायाम शाला समिति यो से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

पंजाब पुलिस ने एलपीयू मामले को पेशेवर तरीके से संभाला: आप नेता पन्नू

चंडीगढ़, (भाषा)।

फावाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्षी दलों द्वारा पंजाब सरकार पर निशाना साधे जाने के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने संयम और पेशेवर तरीके से स्थिति को संभाला।



आप पंजाब के मीडिया प्रभारी बलतेज सिंह पन्नू ने कहा कि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में स्थिति «बेहद संवेदनशील» थी क्योंकि इसमें पंजाब, अन्य राज्यों और विदेशों के छात्र शामिल थे। पन्नू ने कहा कि पंजाब में पढ़ने वाले प्रत्येक छात्र की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है और एलपीयू की घटना की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

एलपीयू के छात्रों ने रविवार को परिसर में भगवंत मान सरकार की आलोचना करने और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाने के बीच पन्नू ने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वे छात्रों से जुड़े संवेदनशील मामले को «राजनीतिकरण» कर रहे हैं।

पन्नू ने आरोप लगाया, «यह मामला छात्रों से जुड़ा था और इसमें संवेदनशीलता की जरूरत थी; फिर भी, विपक्ष के कुछ नेता स्थिति को जाम कर दिया था।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया और उनके वाहनों को निशाना बनाया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालांकि, सोमवार को परिसर में स्थिति शांतिपूर्ण रही।

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर कांग्रेस, भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) द्वारा

धौलपुर में दंपति ने अलग - अलग कमरों में फंदा लगाकर की आत्महत्या..

जयपुर, (भाषा)।

राजस्थान के धौलपुर जिले में गुरुद्वारा रोड स्थित एक बहुमंजिला इमारत के तीसरे तल पर बने फ्लैट में रह रहे एक दंपति ने सोमवार को अलग-अलग कमरों में फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान बलराम मीणा (40) और उनकी पत्नी सरोज मीणा के रूप में हुई है। बलराम यूनाइटेड इंश्योरेंस कंपनी में शाखा प्रबंधक थे और 21 सितंबर के बाद से कार्यालय नहीं गए थे।

पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी बलराम के दोस्त पुष्पेंद्र मीणा को उनके सोशल मीडिया स्टेटस देखने के बाद हुई। बलराम ने सोमवार को कई बार अपना स्टेटस बदला था। संदेह होने पर पुष्पेंद्र फ्लैट पर पहुंचे, जहां दंपति अलग-अलग कमरों में फंदे से लटक मिले। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने बताया कि घटना के समय दंपति का छोटा बच्चा और बलराम के बड़े भाई का बच्चा स्कूल गए हुए थे। वृत्त अधिकारी प्रदीप ने बताया कि फ्लैट से एक डायरी मिली है, जिसमें करीब 10-12 पन्नों पर अलग-अलग बातें लिखी हुई हैं। उन्होंने बताया कि डायरी में परिजनों समेत कई लोगों को संबोधित किया गया है। एक

पत्रे पर “हम जिएंगे-मरेंगे साथ” और दूसरे पर पिता को संबोधित करते हुए “पापा, मैं अच्छा बेटा नहीं बन पाया” लिखा है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा ने बताया कि बलराम ने सोमवार दोपहर करीब 12 बजकर 58 मिनट पर आखिरी बार सोशल मीडिया स्टेटस बदला था। आशंका है कि इसके कुछ समय बाद दंपति ने आत्महत्या की। उन्होंने बताया कि बलराम करौली जिले के नादौती थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव के रहने वाले थे।

पुलिस के अनुसार, बलराम 21 सितंबर को दोपहर का भोजन करने के बाद घर चले गए थे और उसके बाद कार्यालय नहीं गए। इसी दौरान जयपुर से आई ऑडिट टीम ने तीन-चार दिन तक कार्यालय में जांच की थी।

पुलिस ने बताया कि ऑडिट के दौरान एक क्लेम में अनियमितता की आशंका सामने आई थी। थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। ऑडिट टीम और कार्यालय के कर्मचारियों से भी पूछताछ की जाएगी। निहालगंज थाना पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुर्घापुर में रखवा दिया है। पुलिस ने कहा कि दंपति के आत्महत्या करने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच जारी है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को और प्रगाढ़ करने के लिए मोदी और मै उत्सुक: अल्वनीज..

न्यूयॉर्क, (भाषा)।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्वनीज ने कहा है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी का पूरी तरह इस्तेमाल नहीं हो पाया और वह तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी “इसे ठीक करने के लिए बहुत उत्सुक हैं।”

अल्वनीज ने यह टिप्पणी पिछले सप्ताह यहां एशिया सोसाइटी द्वारा आयोजित एक बैठक के दौरान की। यह कार्यक्रम संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र से इतर आयोजित किया गया था। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री का दिसंबर में भारत की यात्रा का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा, “हमारे बीच कई समानताएं थी हैं। हम दोनों राष्ट्रमंडल के सदस्य हैं और हमारे बीच भाषा तथा विश्वविद्यालयों के क्षेत्र में भी सहयोग है। हालांकि, अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध और साझेदारी का पूरी तरह उपयोग नहीं हो पाया है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और मैं इसे ठीक करने के लिए बहुत उत्सुक हैं।” अल्वनीज ने कहा कि वह 14-15 दिसंबर को फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अमेरिका आते समय भारत की यात्रा करेंगे।

भारत यात्रा के दौरान अल्वनीज ‘जी डे नमस्ते’ कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। इसमें ऑस्ट्रेलिया के बिजनेस काउंसिल और अन्य हितधारकों की भागीदारी से सांस्कृतिक, कारोबारी और खेल गतिविधियों की

प्रस्तुति की जाएगी। अल्वनीज ने कहा कि वह मुंबई में “कई कारोबारी प्रतिनिधियों” को साथ लेकर जाएंगे और भारत यात्रा का समापन चेन्नई में क्रिकेट मैच के साथ होगा, जिसमें विक्टोरिया और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की टीम खेलेंगी।

इस कार्यक्रम का संचालन ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री और एशिया सोसाइटी के वैश्विक अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी केविन रुड ने किया। उन्होंने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। अल्वनीज ने कहा, “भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। वह पहले ही दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है।”

अल्वनीज ने भारत में ऊर्जा की पहुंच बढ़ाने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत में जितने लोगों को ऊर्जा सुविधा से जोड़ा गया, उतना “मानव इतिहास में किसी देश या क्षेत्र के किसी भी दशक में” नहीं हुआ।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा, “उनके साथ हमारे मजबूत संबंध हैं। मुझे लगता है कि आर्थिक साझेदारी के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जा सकता है।” अल्वनीज ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वह और मोदी एक-दूसरे के देशों की दो-दो बार यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में मोदी की यात्राओं के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के जुटने का भी जिक्र किया।

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग ने तीन अक्टूबर की राज्य सेवा मुख्य परीक्षा स्थगित की..

मुंबई, (भाषा)।

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) ने सोमवार को कहा कि उसने तीन अक्टूबर को आयोजित होने वाली राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2026 स्थगित कर दी है। आयोग ने महाराष्ट्र

सिविल इंजीनियरिंग मुख्य परीक्षा 2026 और महाराष्ट्र रूफ-बी (गैर-राजपत्रित) मुख्य परीक्षा को भी स्थगित कर दिया है।

इन परीक्षाओं की संशोधित तारीखों की घोषणा अलग से की जाएगी। आयोग ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 की उत्तर पुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन करने का भी फैसला किया है।

यह फैसला औषधि निरीक्षक परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों और आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं की समग्र प्रक्रिया को लेकर अभ्यर्थियों के विरोध के बीच लिया गया।

एमपीएससी ने कहा कि (वरिष्ठ नौकरशाह वी. राधा की अध्यक्षता वाली) उच्चस्तरीय समिति मौजूदा परीक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रही है। समिति ने कई अभ्यर्थियों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ विस्तृत चर्चा की है तथा बेहतर प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया है।

आयोग ने कहा कि आदर्श परीक्षा व्यवस्था को लेकर समिति की सिफारिशें जल्द आने की संभावना है। आयोग ने कहा, “आयोग को कई छात्रों, अभिभावकों, छात्र संगठनों और कुछ सम्मानित निर्वाचित प्रतिनिधियों से अभ्यावेदन मिले हैं, जिनमें तीन अक्टूबर से शुरू होने वाली राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2026 को स्थगित करने का अनुरोध किया गया है।”

उसने कहा कि इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए एमपीएससी ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2026, महाराष्ट्र सिविल इंजीनियरिंग मुख्य परीक्षा 2026 और महाराष्ट्र रूफ-बी (गैर-राजपत्रित) मुख्य परीक्षा स्थगित करने का फैसला किया है।

नितिन नवीन ने ‘वोट चोरी’ के आरोप लगाने के लिए राहुल गांधी पर साधा निशाना

पानीहाटी (पश्चिम बंगाल), (भाषा)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने वोट चोरी के आरोप लगाने के लिए सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा

और कहा कि विपक्षी दल जब चुनाव जीतते हैं तो कोई आपत्ति नहीं जताते, लेकिन हारने के बाद निर्वाचन आयोग पर हमला बोलते हैं।

पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे और अंतिम दिन उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी में ‘आनंद मिलन सेवा’ कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत के दौरान नवीन ने कहा कि अगर गांधी जैसे नेता अपनी हार से सीखने में नाकाम रहे तो उन्हें भविष्य में और कड़े सबक का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, «विपक्ष अपनी हार

और निराशा से बेचैन हो गया है। चाहे कांग्रेस हो या तृणमूल कांग्रेस, वे अपनी हार को पचा नहीं पा रहे। जब वे तमिलनाडु और केरल में चुनाव जीतते हैं तो उन्हें निर्वाचन आयोग की याद नहीं आती। लेकिन जब भाजपा पश्चिम बंगाल, असम या उत्तर प्रदेश में जीतती है तो विपक्ष निर्वाचन आयोग और ईवीएम पर अपना गुस्सा निकालता है।»

इस दौरान नवीन के साथ मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी, मंत्री अग्निमित्रा पॉल और पार्टी की प्रदेश इकाई के विभिन्न वरिष्ठ नेता मौजूद थे। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी को कड़ी चेतावनी भी दी।

उन्होंने कहा, «राहुल गांधी जी, अपनी हार से सबक लेने की कोशिश कीजिए। आप निराशा की स्थिति में हैं। इस तरह संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर आप खुद पर संदेह कर रहे हैं। आप जनादेश से मिले दर्द को महसूस कर रहे हैं। इस दर्द से सबक लीजिए, वरना जनता भविष्य में भी आपको ऐसे ही और झटके देती रहेगी।»

उन्होंने कहा, “जब आप यहां से जाएंगे और जिस भी जिले में आपकी तैनाती होगी, वहां नौकरी शुरू करेंगे तो इसका प्रचार करें।

अपने भाई-बहनों को बताएं कि अगर वे भी बिना पैसे दिए नौकरी चाहते हैं तो योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाएं।”

इसके बाद उन्होंने नवनि्युक्त अधिकारियों से पूछ कि उनमें से कितने लोग इस संदेश का प्रचार करेंगे। इस

नवीन ने बंगाल में निवेश अनुकूल वातावरण का वादा किया; तृणमूल शासन के दौरान पूंजी पलायन का आरोप

कोलकाता, (भाषा)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन के दौरान पूंजी का पलायन हुआ और करीब 6,700 कंपनियां बंद हो गईं।

उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता होगी। यहां ‘युवा संवाद कॉन्क्लेव’ को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल में शुभेंद्रु अधिकारी नीत भाजपा सरकार राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, “पिछले 10-15 साल में पश्चिम बंगाल में लगभग 6,700 कंपनियां बंद हो गईं। हमारी कोशिश ऐसा माहौल बनाना है, जिसमें अगर आप पश्चिम बंगाल में निवेश करते हैं, तो हम आपको एक अच्छा प्लेटफॉर्म देंगे।”

नवीन ने उस समय को भी याद किया जब पश्चिम बंगाल को रोजगार के एक बड़े केंद्र के तौर

पर देखा जाता था और पड़ोसी राज्यों से लोग यहां नौकरी की तलाश में आते थे।

उन्होंने कहा, “एक समय था जब बिहार के लोग नौकरी के लिए बंगाल आते थे।” नवीन की यह टिप्पणी मई में भाजपा द्वारा तृणमूल के 15 साल के शासन को खत्म करने और राज्य में पहली बार उनकी पार्टी की सरकार बनने के कुछ महीनों बाद आई है।

भाजपा प्रमुख ने कहा कि 4 मई को पश्चिम बंगाल में ‘एक नयी सुबह’ आई, जब विधानसभा चुनाव में भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस को हराया, और अब युवाओं की उम्मीदें पूरी होंगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा का ध्यान सिर्फरोजगार पर ही नहीं, बल्कि युवाओं को उद्यमी और नौकरी देने वाला बनने के लिए प्रोत्साहित करने पर भी होगा। नवीन ने कहा, “आज के युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले हैं। वे बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।” नवीन ने युवाओं से जीवन में ‘शॉर्टकट’ से दूर रहने का आग्रह किया

युवाओं के साथ संवाद के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, “मैं सभी युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे जीवन में शॉर्टकट रास्ते से बचें। जीवन 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि एक लंबी दौड़ है, जिसमें ताकत और निरंतरता की परीक्षा होती है।”

युवाओं के साथ संवाद के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, “मैं सभी युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे जीवन में शॉर्टकट रास्ते से बचें। जीवन 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि एक लंबी दौड़ है, जिसमें ताकत और निरंतरता की परीक्षा होती है।”

युवाओं के साथ संवाद के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, “मैं सभी युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे जीवन में शॉर्टकट रास्ते से बचें। जीवन 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि एक लंबी दौड़ है, जिसमें ताकत और निरंतरता की परीक्षा होती है।”

युवाओं के साथ संवाद के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, “मैं सभी युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे जीवन में शॉर्टकट रास्ते से बचें। जीवन 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि एक लंबी दौड़ है, जिसमें ताकत और निरंतरता की परीक्षा होती है।”

बिहार एमएलसी चुनाव: जदयू विधायक अनंत सिंह ने जन सुराज प्रत्याशी को समर्थन देने का ऐलान..

पटना, (भाषा)।

बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक अनंत कुमार सिंह ने सोमवार को विधान परिषद (एमएलसी) के आगामी चुनाव में अपनी ही पार्टी के प्रत्याशी और मौजूदा सदस्य नीरज कुमार को हराने का संकल्प लेते हुए जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार अनुज सिंह के समर्थन में प्रचार करने का ऐलान किया।

मोकामा से विधायक अनंत सिंह ने पटना स्थित अपने आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। इस दौरान जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार अनुज सिंह भी मौजूद थे।

अनंत सिंह ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से लगातार चौथी बार चुनाव लड़ रहे नीरज कुमार का जिक्र करते हुए कहा कि उनके बीच मुकाबला “व्यक्तिगत” है। उन्होंने आरोप लगाया, “नीरज कुमार ने कभी मेरे खिलाफ चुनाव लड़ा था। वह आरसीपी सिंह खेमे में भी थे, जिसने मेरे मोकामा स्थित घर में हथियार और विस्फोटक छिपाकर मेरे खिलाफसाजिश रची थी।”

अनंत सिंह ने 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार से मतभेद के बाद पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपनी विधानसभा सीट बरकरार रखी थी।

उस समय जदयू ने मोकामा सीट से नीरज कुमार को उम्मीदवार बनाया था। चार वर्ष बाद अनंत सिंह के मोकामा स्थित आवास से एके-47 राइफल और रॉकेट लॉन्चर बरामद होने पर उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) के

तहत मामला दर्ज किया गया था।

पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव से पहले जदयू में दोबारा शामिल हुए अनंत सिंह लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह और उनकी आईपीएस बेटी लिपि सिंह उनके खिलाफ “साजिश” में शामिल थे।

लिपि सिंह, 2019 में मोकामा की अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी थीं। अनंत सिंह ने कहा, “मैंने एक पंडित से सलाह ली है। उन्होंने एक अक्टूबर को नामांकन दाखिल करने के लिए शुभ तिथि बताई है। उस दिन मैं अनुज सिंह के साथ रहूंगा और पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के सभी 26 विधानसभा क्षेत्रों में उनके लिए प्रचार भी करूंगा।”

अपनी ही पार्टी के विधायक के खुले विरोध पर जदयू की ओर से देर शाम तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

वहीं, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने दावा किया कि जदयू अब “केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भाजपा के हितों की पूर्ति के लिए चलाई जा रही है” और नीतीश कुमार के पास कोई निर्णयकारी भूमिका नहीं बची है।

उप्र : राजभर ने ग्राम पंचायत अधिकारियों से की योगी सरकार के पक्ष में प्रचार की अपील..

लखनऊ, (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोमवार को 1,375 नवनि्युक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पक्ष में प्रचार करने की अपील की और समाजवादी पार्टी (सपा) तथा कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष राजभर ने यहां नवनि्युक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

इस दौरान उन्होंने सपा और कांग्रेस को “मेरे हुए लोगों” की विचारहीन पार्टी बताते हुए आरोप लगाया कि ये दल केवल विरोध के लिए सरकार का विरोध करते हैं।

पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ और हज विभाग के कैबिनेट मंत्री राजभर ने नवनि्युक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों से पूछ कि क्या मौजूदा सरकार सपा सरकार से बेहतर है?

उन्होंने दावा किया कि अब सरकारी नौकरियां बिना रिश्त के मिल रही हैं।

राजभर ने कहा, “जब आप यहां से जाएंगे और जिस भी जिले में आपकी तैनाती होगी, वहां नौकरी शुरू करेंगे तो इसका प्रचार करें।

अपने भाई-बहनों को बताएं कि अगर वे भी बिना पैसे दिए नौकरी चाहते हैं तो योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाएं।”

इसके बाद उन्होंने नवनि्युक्त अधिकारियों से पूछ कि उनमें से कितने लोग इस संदेश का प्रचार करेंगे। इस

पर लगभग सभी लोगों ने हाथ उठाया।

राजभर ने भगवान हनुमान का उल्लेख करते हुए नवनि्युक्त अधिकारियों से विपक्षी दलों के खिलाफप्रचार करने की अपील की।

उन्होंने कहा, “अकेले हनुमान जी ने रावण की पूरी ताकत का पता लगाने के बाद लंका जलाई थी और फिर भगवान राम को इसकी जानकारी देने लौटे थे। आप यहां 1,375 लोग हैं। मुझे बताएं, क्या आप समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की ‘लंका जलाएं’ या नहीं?”

उन्होंने कहा, “चिंता मत कीजिए, हालांकि मैं अकेले ही रोज उनकी लंका में आग लगाता रहता हूं।”

मंत्री ने राज्य सरकार के कामकाज की आलोचना करने को लेकर विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिलों के बीच संपर्क बेहतर हुआ है, गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी बनाई गई हैं और विकास कार्य हुए हैं।

उन्होंने कहा, “लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लोग कहते हैं कि योगी सरकार ने कुछ किया ही नहीं है। लगता है उनके चश्मे का नंबर बढ़ गया है, इसलिए उन्हें कुछ दिखाई नहीं देता।”

विपक्ष पर हमला करते हुए राजभर ने कहा, “चाहे कांग्रेस के लोग हों या सपा के, ये लोग वास्तव में मेरे हुए लोग हैं... जिंद नहीं हैं।”

वे विचारों की राजनीति नहीं करते, बल्कि केवल विरोध की राजनीति करते हैं। वे नफ़्त की राजनीति करना चाहते हैं, लेकिन जनता नफ़्त की राजनीति नहीं चाहती।

वह भाईचारा और आपसी सद्भाव चाहती है।” उन्होंने लोगों से अपने माता-पिता और पूर्वजों की सीख के अनुसार काम करने की अपील करते हुए कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में यह सुनिश्चित किया जाए कि सपा समाप्त हो जाए और कांग्रेस आधी रह जाए।

+ CMYK



भाडराचल वन समिति के अध्यक्ष बने धर्मेद्र धामड़े, उपाध्यक्ष नंदकिशोर लिल्हारे

जगप्रेरणा लांजी।
वन विभाग के तत्वावधान में ग्राम भाडराचल, टेकेपार, पोस्ट मिरिया में वन समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए रविवार, 27 सितंबर को चुनाव संपन्न हुआ।

चुनाव में अध्यक्ष पद पर धर्मेद्र धामड़े तथा उपाध्यक्ष पद पर नंदकिशोर लिल्हारे ने जीत दर्ज की। अध्यक्ष पद के लिए धर्मेद्र धामड़े, पिता दिलीप धामड़े और पूर्व अध्यक्ष ईश्वरदास लिल्हारे, पिता रामदास लिल्हारे के बीच मुकाबला हुआ। चुनाव में कुल 412 मत डाले गए। इनमें धर्मेद्र धामड़े को 218 मत, जबकि ईश्वरदास लिल्हारे को 177 मत प्राप्त हुए। 17 मत निरस्त हुए। इस तरह धर्मेद्र धामड़े ने 41 मतों के अंतर से जीत हासिल कर वन समिति के अध्यक्ष पद पर चयनित हुए। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद के लिए नंदकिशोर लिल्हारे, पिता गेंदलाल लिल्हारे और नाजु कला खाण्डवले, पति हंसराज के बीच मुकाबला हुआ। नंदकिशोर लिल्हारे को 211 मत तथा नाजु कला खाण्डवले को 187 मत मिले। 14 मत निरस्त हुए। नंदकिशोर लिल्हारे ने 24 मतों के अंतर से जीत दर्ज

राष्ट्रपति मुर्मू ने एशियाई खेलों के नौवें दिन भारतीय पदक विजेताओं को दी बधाई

नई दिल्ली, (भाषा)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियाई खेलों के नौवें दिन सोमवार को पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाली पारुल चौधरी को बधाई दी। यह इन खेलों में पारुल का दूसरा पदक है। उन्होंने रविवार को महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में भी कांस्य पदक जीता था।

राष्ट्रपति ने कहा, “एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने पर पारुल चौधरी को हार्दिक बधाई। खेलों में दो दिन में दो पदक जीतना शानदार उपलब्धि है। यह यादगार प्रदर्शन आपको खेल यात्रा में नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेंगे।”

एक अन्य पोस्ट में राष्ट्रपति ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने पर गुलवीर सिंह को भी बधाई दी। उन्होंने कहा, “इस स्पर्धा में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ यह उपलब्धि और भी सराहनीय हो जाती है।

एएफआई ने कहा, लंबी कूद की एथलीट शैली सिंह का निशान गलत नापा गया, खेल पंचाट में जाएंगे

नागोया, (भाषा)।
भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने एशियाई खेलों में लंबी कूद की एथलीट शैली सिंह की छलांग कम करके नापने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट (सीएएस) में अपील करेगा।

रविवार को महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में शैली ने 6.42 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर चौथा स्थान हासिल किया, जबकि उनकी हमवतन एंसी सोजान ने 6.53 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। चीन की हुआंग थिंगथिंग ने अपने अंतिम प्रयास में 6.55 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। विवाद शैली के चौथे प्रयास को लेकर हुआ जिसे आधिकारिक तौर पर 6.41 मीटर नापा गया था। शैली की मंटर (मार्गदर्शक) और अपने जमाने की दिग्गज एथलीट अंजू बांबी जॉर्ज के अनुसार एक अधिकारी के कहने पर ऐसा किया गया जबकि वह ‘लैंडिंग पिट’ के पास मौजूद नहीं था।

अंजू ने पीटीआई से कहा, “हमने देखा कि

नागोया, (भाषा)।
गुलवीर सिंह ने एशियाई खेलों में अपना दूसरा रजत पदक जीता जबकि लंबी कूद के खिलाड़ी मुरली श्रीशंकर और भाला फेंक खिलाड़ी यशवीर सिंह भी अपनी-अपनी स्पर्धाओं में दूसरे स्थान पर रहे जिससे भारत ने सोमवार को यहां एथलेटिक्स में छह पदक जीते।

विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता। यह इस स्पर्धा में पिछले एशियाई खेलों के कांस्य पदक के बाद उनका लगातार दूसरा पदक है। उन्होंने इस दौरान महान धाविका पीटी उषा का 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा।

रोहित यादव ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना पहला बड़ा पदक हासिल किया और भारत को इस स्पर्धा में रजत-कांस्य की सफलता दिलाई।

पारुल चौधरी महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में अपने स्वर्ण पदक का बचाव नहीं कर सकीं और मियुगो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। स्टेडियम में लगातार तीसरे दिन बारिश के कारण परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण रहीं।

भारत के लिए यह एथलेटिक्स में एक दिन में रिकॉर्ड पदक रहे लेकिन प्रतियोगिता में अब केवल एक दिन शेष रहने के बावजूद स्वर्ण पदक का इंतजार जारी है।

श्रीशंकर के लिए हालांकि दिन निराशाजनक भी रहा। पिछले चरण में भी रजत पदक जीतने वाले श्रीशंकर को चौथे प्रयास में टखने में चोट लग गई जिसके कारण उन्होंने अपने अंतिम दो प्रयास नहीं किए। हालांकि उनका दूसरा प्रयास में 8.07 मीटर का प्रदर्शन उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा।

गुलवीर ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ के फ़इनल में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता मौजूदा एशियाई खेलों में 10 हजार मीटर में पहले ही रजत पदक जीत चुके गुलवीर जापान के स्वर्ण पदक विजेता काजुतो ईजावा के बाद दूसरे स्थान पर रहे। काजुतो ने तीन मिनट 36.35 सेकंड का खेलों का नया

व्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन..
दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें..
मो. 9329033433

रिकॉर्ड बनाया। उनके हमवतन नागिया मोरी ने तीन मिनट 37.92 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

उत्तर प्रदेश के 28 वर्षीय धावक गुलवीर ने कहा, “यह मेरे करियर का बहुत महत्वपूर्ण पदक है। मुझे जितनी भी स्पर्धाओं में दौड़ना पड़े मुझे कोई परेशानी नहीं है और मैं उनमें पदक जीतना चाहता हूं। मैं अंत में अपनी गति बरकरार नहीं रख सका क्योंकि मैं आमतौर पर लंबी दूरी का धावक हूं और मुख्य रूप से 5000 मीटर और 10000 मीटर में दौड़ता हूं।”

एक अन्य भारतीय युनुस शाह तीन मिनट 43.88 सेकंड के समय के साथ नौवें स्थान पर रहे। पुरुष भाला फेंक में हरियाणा के 24 वर्षीय यशवीर ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 85.72 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए हमवतन रोहित को पीछे छोड़कर रजत पदक अपने नाम किया।

उत्तर प्रदेश के 25 वर्षीय रोहित ने 84.35 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर कांस्य पदक जीता। श्रीलंका के स्टार खिलाड़ी रमेश पथिरागे ने 88.33 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। यशवीर ने बाद में कहा, “परिस्थितियां काफी मुश्किल थीं। दौड़ने का स्थान गीला था और लगातार बूलबांदी हो रही थी। मुझे सही पकड़ नहीं मिल पा रही थी और रन अप थोड़ा फिसलन भरा था। चोट लगने का डर रहता है।” उन्होंने कहा, “लेकिन मैं अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहा इसलिए खुश हूं।”

यशवीर को स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के चोट के कारण एशियाई खेलों से हटने के बाद उनकी जगह टीम में शामिल किया गया था।

मौजूदा एशियाई खेलों में भारतीय एथलीटों ने अब तक कुल 19 पदक जीते हैं। मौजूदा ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 80.29 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन वह चौथे स्थान पर रहे।

इससे पहले पारुल चौधरी ने महिलाओं की 5000 मीटर फ़इनल में कांस्य पदक जीता। उनसे पहले लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने पुरुषों के 1500 मीटर फ़इनल में तीन मिनट 36.72 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता था। विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में

कांस्य पदक हासिल किया।

पारुल एशियाई खेलों में अपने स्वर्ण पदक का बचाव नहीं कर सकीं। उत्तर प्रदेश की 31 वर्षीय पारुल ने 15 मिनट 14.61 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। बहरीन की विनफ्रेड यावी ने 15 मिनट 10.18 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जबकि जापान की नोजोमी तनाका ने 15 मिनट 11.65 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता।

वर्ष 2023 में हांगझोउ में स्वर्ण पदक जीतने वाली पारुल का मौजूदा एशियाई खेलों में यह दूसरा पदक है। उन्होंने रविवार को महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में कांस्य पदक जीता था। महिलाओं की 10 हजार मीटर में कांस्य पदक जीतने वाली सीमा 15 मिनट सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहीं।

विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता लेकिन लंबी दूरी के धावक अविनाश साबले पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज फ़इनल में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में नाकाम रहते हुए चौथे स्थान पर रहे।

विथ्या ने 54.75 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता और महान धाविका पीटी उषा के चार दशक से अधिक पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। उनका मौजूदा खेलों में यह दूसरा पदक है। वह इससे पहले चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं।

कोयंबटूर की 28 वर्षीय विथ्या संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम और कजाखस्तान की एडेलिना जेम्स के बाद तीसरे स्थान पर रहीं। मरियम ने 54.31 सेकंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि एडेलिना ने 54.58 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ रजत पदक हासिल किया।

विथ्या ने उषा के 1984 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में बनाए 55.42 सेकंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। उषा वर्तमान में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष हैं और एशियाई खेलों के लिए यहां मौजूद हैं।

विथ्या ने स्पर्धा के बाद कहा, “पदक हमारे हाथ में है लेकिन समय हमारे हाथ में नहीं होता।

यह दौड़ ना तो कल होगी और ना ही बीते कल हुई थी। आज हमारा दिन था इसलिए मेरा ध्यान पदक पर नहीं बल्कि समय पर था।”

उन्होंने कहा, “मेरे कोच ने कहा था कि हम 54 सेकंड का समय निकालेंगे। मैंने ऐसा किया और मैं बहुत खुश हूं। समय इतना अच्छा रहा इसलिए मैं बेहद खुश हूं।”

विथ्या ने कहा, “हर कोई मेरे से इस बारे में पूछ रहा था क्योंकि मैं तीन साल से 55 सेकंड से कम का समय नहीं निकाल पाई थी। मेरे कोच नेहपाल सिंह राठौड़ ने मुझे तेज शुरुआत करने और छठी बाधा तक अपनी गति बनाए रखने को कहा था। छठी बाधा से फ़िनिश लाइन तक मैंने पूरी ताकत लगा दी।”

इसी स्पर्धा में भारत की अनु राघवन पांचवें स्थान पर रहीं। उन्होंने 55.88 सेकंड का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

चोटों से जूझने वाले साबले ने इसके बाद अपना सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में नाकाम रहे। वह पुरुष 3000 मीटर स्टीपलचेज फ़इनल में चौथे स्थान पर रहे।

महाराष्ट्र के 32 साल के दो बार के ओलंपियन साबले ने आठ मिनट 21.67 सेकंड का समय निकाला। वह स्वर्ण पदक विजेता जापान के रयुजी मियुरा से 4.31 सेकंड पीछे रहे। मियुरा ने आठ मिनट 17.36 सेकंड के खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मियुरा के हमवतन रयोमा आओकी ने आठ मिनट 17.60 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ रजत पदक जीता जबकि कतर के जकारिया अलहलामी ने आठ मिनट 18.13 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ के फ़इनल में संतोष कुमार तमिलारासन ने 49.95 सेकंड का समय निकालकर आठ खिलाड़ियों के फ़इनल में सातवां स्थान हासिल किया।

इससे पहले राइमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता सीमा कालीरमण ने महिलाओं के चक्का फेंक के फ़इनल में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन चौथे स्थान पर रहीं।

सीमा ने अपने पांचवें प्रयास में 59.88 मीटर की दूरी तक चक्का फेंका लेकिन यह पदक के लिए पर्याप्त नहीं था। तीनों पदक विजेताओं के सर्वश्रेष्ठ प्रयास 60 मीटर से अधिक रहे।

मोदी ने एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी

नई दिल्ली, (भाषा)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एशियाई खेलों में पदक जीतने वाले भारत के खिलाड़ियों पारुल चौधरी, यशवीर सिंह, रोहित यादव, पिंकी बलहारा, ईशा सिंह और मुरली श्रीशंकर को बधाई दी और उनके प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

मोदी ने महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने पर पारुल को बधाई दी और उनकी सफलता को उद्दीयमान एथलीटों के लिए प्रेरणादायक बताया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, “एशियाई खेलों में महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने पर पारुल चौधरी को हार्दिक बधाई। खेलों में दो दिन में दो पदक जीतना शानदार उपलब्धि है। यह यादगार प्रदर्शन आपको खेल यात्रा में नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करेंगे।”

एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने पर गुलवीर सिंह को भी बधाई दी। उन्होंने कहा, “इस स्पर्धा में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ यह उपलब्धि और भी सराहनीय हो जाती है।

रायचंदानी के नाबाद दोहरे शतक से भारत अंडर-19 टीम मजबूत स्थिति में

राजकोट, (भाषा)।
सलामी बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी ने नाबाद दोहरा शतक जड़ा, जिससे भारत अंडर-19 टीम ने यहां खेले जा रहे पहले युवा टेस्ट मैच के दूसरे दिन सोमवार को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ पहली पारी में 213 रन की बढ़त हासिल करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

रायचंदानी 20 चौकों और चार छकों की मदद से 210 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनकी शानदार पारी से भारत ने दिन का खेल समाप्त होने तक आठ विकेट पर 430 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम अपनी पहली पारी में 217 रन पर आउट हो गई थी।

इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे युवा वनडे में नाबाद 110 रन बनाने वाले 17 वर्षीय रायचंदानी ने लंबी अवधि के प्रारूप में भी प्रभावशाली पारी खेलकर अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखी। सलामी बल्लेबाज सागर विर्क के 11 रन पर आउट होने के बाद रायचंदानी ने पूरे दिन पारी को संभाला और दूसरे छोर से नियमित अंतराल में विकेट गिरने के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को हवा नहीं होने दिया।

रायचंदानी को कप्तान यशवर्धन चौहान (54) और मोहित उल्वा (नाबाद 58) का अच्छा साथ मिला। रायचंदानी ने मोहित के साथ नौवें विकेट के लिए अब तक 137 रन जोड़े हैं। इससे पहले उन्होंने चौहान के साथ तीसरे विकेट के लिए 124 रन की साझेदारी की थी।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम 217 रन पर आउट हो गई, जिसमें ब्लेक कैटल ने 102 रन का योगदान दिया। भारत की तरफसे बाएं हाथ के स्पिनर ईशान ओम ने 53 रन देकर पांच विकेट लिए, जबकि मोहित उल्वा ने 37 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

KINETIC GREEN
BP E VEHICLES
Address : Ward No. 32, Near Arhant Gas Agency, Bhatnagar
Contact - 8517852365, 7566752365

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433



दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

लायंस क्लब इंदौर सेवा सप्ताह: सेवा, संवेदना और सामाजिक दायित्व..

समाज केवल संस्थाओं, व्यवस्थाओं और संसाधनों से नहीं बनता, बल्कि उसके वास्तविक स्वरूप का निर्माण उस संवेदना से होता है, जिसके माध्यम से व्यक्ति दूसरों के सुख-दुख को अपना समझता है। जब सेवा किसी व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर सामाजिक संस्कार का रूप लेती है, तब वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन की आधारशिला बन जाती है। इसी भावना को सार्थक रूप देने में सेवा संस्थाओं और सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 त-1 द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह (2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2026) इसी सामाजिक दायित्व, संवेदना और सेवा-समर्पण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती और स्वच्छता के संदेश से प्रारंभ होने वाला यह सप्ताह सेवा के विभिन्न आयामों को एक व्यापक सामाजिक अभियान के रूप में सामने रखता है।

सेवा सप्ताह का उद्देश्य केवल कुछ दिनों तक सेवा गतिविधियों का आयोजन करना नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना और उसे व्यवहार में उतारना है। इस वर्ष सेवा सप्ताह की गतिविधियों को समाज की समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, डिजिटल सुरक्षा, रक्त एवं अंगदान, ई-वेस्ट और प्लास्टिक मुक्त शहर, खाद्य सेवा तथा वरिष्ठजन सम्मान जैसे महत्वपूर्ण विषयों को केंद्र में रखा गया है। इस दृष्टि से यह सप्ताह सेवा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का भी अभियान बन जाता है।

2 अक्टूबर को 'स्वच्छ एवं सुंदर शहर' के संदेश के साथ सेवा सप्ताह की शुरुआत होगी। इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों की सफाई, प्लास्टिक मुक्त अभियान, किसी एक स्थान को गोद लेकर उसकी स्वच्छता की जिम्मेदारी, स्वच्छता रैली अथवा मानव श्रृंखला तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति संकल्प जैसी गतिविधियों को आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है क्योंकि स्वच्छ शहर केवल नगर निकायों के प्रयासों से नहीं बनते; इसके लिए नागरिकों का व्यवहार बदलना भी आवश्यक है। सड़क पर कचरा न डालना, प्लास्टिक का विवेकपूर्ण उपयोग करना और सार्वजनिक स्थलों को अपना

समझना ही वास्तविक नागरिक अनुशासन है। स्वच्छता का संदेश तभी स्थायी बनेगा, जब वह अभियान से आगे बढ़कर जीवनशैली का हिस्सा बने। सेवा सप्ताह के दौरान सभी लायंस सदस्यों द्वारा यही विचार अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के प्रयास रहेगा।

3 अक्टूबर को 'स्वस्थ शहर' की अवधारणा के अंतर्गत बेसिक हेल्थ स्क्रीनिंग कैप आयोजित किए जाएंगे। रक्तचाप, बॉडी मास इंडेक्स (BMI), रक्त शर्करा और नेत्र परीक्षण जैसी प्राथमिक स्वास्थ्य जांचें सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की समय रहते पहचान में उपयोगी हो सकती हैं। स्वास्थ्य सेवा का वास्तविक उद्देश्य केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि बीमारी की रोकथाम और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना भी होना चाहिए। 'हर व्यक्ति स्वस्थ हो' का संदेश तभी सार्थक होगा, जब स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य जागरूकता समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे।

4 अक्टूबर को 'महिला सशक्तीकरण' को सेवा सप्ताह का प्रमुख विषय बनाया गया है। कौशल विकास और करियर मार्गदर्शन, वित्तीय साक्षरता एवं स्वयं सहायता समूह, डिजिटल एवं साइबर सुरक्षा, महिला स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता, महिलाओं के कानूनी अधिकार एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी, बालिकाओं की शिक्षा और उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन तथा प्रेरणादायी महिलाओं का सम्मान जैसी गतिविधियां महिला सशक्तीकरण को व्यापक अर्थ प्रदान करती हैं। महिला को केवल सहायता का पात्र मानने के बजाय उसे ज्ञान, कौशल, निर्णय क्षमता और आत्मनिर्भरता के अवसर उपलब्ध कराना अधिक प्रभावी सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकता है। 'सशक्त नारी, सशक्त समाज' केवल एक नारा नहीं, बल्कि समावेशी विकास की आवश्यकता है।

5 अक्टूबर को 'डिजिटल सेफ्टी डे' के माध्यम से डिजिटल युग की नई चुनौतियों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि आज डिजिटल लेन-देन ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ साइबर धोखाधड़ी के नित्य नए रूप

भी सामने आ रहे हैं। यूपीआई फ्रॉड, ओटीपी के माध्यम से ठगी, फर्जी लोन ऐप, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया फ्रॉड और साइबर बुलिंग जैसे विषयों पर जागरूकता आवश्यक है। विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और डिजिटल तकनीक का तेजी से उपयोग करने वाले लोगों को यह समझना जरूरी है कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, पासवर्ड, पिन अथवा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें। डिजिटल सुविधा तभी उपयोगी है, जब उसके साथ डिजिटल सावधानी भी हो। 'डिजिटल सुरक्षित समाज' आज सामाजिक सुरक्षा का एक नया आयाम बन चुका है।

6 अक्टूबर को 'जीवन बचाओ दिवस' - 'एवरी डॉन अ लाइफ' के अंतर्गत रक्तदान, रक्तदाता पंजीयन, अंगदान जागरूकता और नेत्रदान जागरूकता जैसी गतिविधियां आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। रक्तदान ऐसी मानवीय सेवा है, जिसमें दान की गई रक्त की एक इकाई किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा जगा सकती है। इसी प्रकार अंगदान और नेत्रदान के प्रति जागरूकता समाज में मृत्यु के बाद भी जीवन और दृष्टि के रूप में योगदान देने की भावना विकसित करती है। 'जीते जी रक्तदान, मरणोपरांत नेत्रदान' का संदेश सेवा की उस व्यापक भावना को सामने रखता है जिसमें व्यक्ति अपने जीवन के साथ-साथ अपने जीवन के बाद भी समाज के लिए उपयोगी बनने का संकल्प ले सकता है।

7 अक्टूबर को 'ई-वेस्ट एवं प्लास्टिक मुक्त शहर' के साथ 'फूड फॉर हंगर' की गतिविधियां सेवा के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने लाएंगी। मोबाइल, कंप्यूटर, चार्जर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाले ई-कचरे का उचित संग्रह और निस्तारण आज पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसी तरह प्लास्टिक संग्रह अभियान नागरिकों को यह समझाने का माध्यम बन सकता है कि कचरा केवल फेंकने वाली वस्तु नहीं, बल्कि उचित प्रबंधन के माध्यम से संसाधन भी बन सकता है। दूसरी ओर जलरतमंदों को भोजन पैकेट उपलब्ध कराना, अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन सेवा तथा वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रमों में आवश्यकता के

अनुरूप भोजन उपलब्ध कराना मानवीय संवेदना का प्रत्यक्ष उदाहरण है। 'कोई भूखा न सोये' का संकल्प समाज की सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है।

8 अक्टूबर को 'वरिष्ठजन सम्मान' के माध्यम से उन बुजुर्गों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर मिलेगा, जिन्होंने परिवार और समाज के निर्माण में अपना जीवन लगाया है। वरिष्ठजनों से संपर्क एवं सम्मान, स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना, सरकारी योजनाओं और कानूनी जानकारी से परिचित कराना तथा परिवारों को वरिष्ठजन देखभाल के लिए प्रेरित करना इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता में अनेक बार बुजुर्गों की भावनात्मक और सामाजिक आवश्यकताएं पीछे छूट जाती हैं। ऐसे में केवल सहायता देना ही नहीं, बल्कि उनके साथ समय बिताना, उनकी बात सुनना और उन्हें सम्मान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। 'आप अकेले नहीं' का संदेश वरिष्ठजनों को सामाजिक सुरक्षा और आत्मियता का अनुभव करा सकता है।

सेवा सप्ताह की इन गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि सेवा को केवल दान या सहायता तक सीमित नहीं रखा गया है। स्वच्छता में नागरिक अनुशासन, स्वास्थ्य में जागरूकता, महिला सशक्तीकरण में आत्मनिर्भरता, डिजिटल सुरक्षा में सावधानी, रक्तदान में जीवन रक्षा, ई-वेस्ट प्रबंधन में पर्यावरणीय जिम्मेदारी, भोजन सेवा में मानवीय संवेदना और वरिष्ठजन सम्मान में पारिवारिक-सामाजिक कर्तव्य आदि सभी को एक साथ जोड़कर सेवा की व्यापक अवधारणा प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

आज समाज में सेवा की आवश्यकता इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि आज व्यक्ति के पास सुविधाएं और सूचनाएं पहले की अपेक्षा कहीं अधिक हैं, लेकिन सामुदायिक संवेदना को बनाए रखना एक चुनौती भी है। इसलिए तेज गति से बदलती जीवनशैली, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत उपलब्धियों की दौड़ के बीच समाज के कमजोर, जरूरतमंद और वंचित वर्गों की ओर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे समय में सेवा संगठन यह स्मरण कराते हैं कि विकास का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सम्मान, अवसर, स्वास्थ्य और

सुरक्षा का विस्तार भी है।

लायंस क्लब जैसी संस्थाओं की विशेषता यह है कि वे सेवा को सामूहिक प्रयास का स्वरूप देती हैं। एक व्यक्ति की क्षमता सीमित हो सकती है, लेकिन जब अनेक लोग एक उद्देश्य के लिए साथ आते हैं तो उसका प्रभाव व्यापक हो जाता है। सेवा सप्ताह इसी सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। लायंस क्लब से विभिन्न व्यवसायों के लोग जुड़े होने के कारण इसके द्वारा की जानी वाली सेवा केवल संस्था की गतिविधि न रहकर नागरिक सहभागिता का माध्यम बन जाती है। इंदौर जैसे सामाजिक सहभागिता और जनभागीदारी की समृद्ध परंपरा वाले शहर में ऐसे सेवा अभियानों का महत्व और बढ़ जाता है। शहर की प्रगति तभी सार्थक मानी जाएगी, जब उसके विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचे। नागरिक संस्थाएं स्थानीय समस्याओं को पहचानकर उनके समाधान के लिए जनभागीदारी विकसित कर सकती हैं और प्रशासन तथा समाज के बीच प्रभावी सेतु का कार्य कर सकती हैं।

वास्तव में सेवा का अर्थ केवल किसी को कुछ देना नहीं है। सेवा का श्रेष्ठ रूप वह है, जिसमें सामने वाले व्यक्ति के सम्मान और आत्मनिर्भरता का भी ध्यान रखा जाए। जलरतमंद व्यक्ति की वास्तविक आवश्यकता को समझना, उसे सम्मानपूर्वक सहायता उपलब्ध कराना और जहां संभव हो, उसे आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान करना आधुनिक सेवा की अधिक सार्थक अवधारणा है। इसी प्रकार एक स्वास्थ्य शिविर तभी अधिक प्रभावी होगा, जब उसके साथ स्वास्थ्य जागरूकता भी जुड़े; पौधरोपण के साथ पर्यावरण शिक्षा, रक्तदान के साथ नियमित रक्तदान की संस्कृति, डिजिटल सुरक्षा के साथ साइबर अनुशासन और भोजन सेवा के साथ जलरतमंदों के प्रति निरंतर संवेदना भी विकसित हो।

सेवा सप्ताह हमें यह भी संदेश देता है कि सामाजिक जिम्मेदारी केवल किसी संगठन की जिम्मेदारी नहीं है। प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर समाज के लिए कुछ कर सकता है। कोई समय दे सकता है, कोई ज्ञान, कोई श्रम, कोई संसाधन और कोई केवल जागरूकता फैलाकर भी योगदान कर सकता है। सेवा की संस्कृति तब व्यापक बनेगी, जब हम यह प्रश्न पूछना शुरू करेंगे

कि समाज ने हमें क्या दिया, इसके साथ-साथ यह भी कि हम समाज को क्या दे रहे हैं।

लायंस इंटरनेशनल का यह सेवा सप्ताह इसलिए केवल 2 से 8 अक्टूबर तक चलने वाली गतिविधियों की श्रृंखला नहीं, बल्कि सेवा को संस्कार और सामाजिक दायित्व को जीवन-मूल्य बनाने का अवसर है। यदि इन सात दिनों में उठाए गए संकल्प वर्षभर की गतिविधियों में बदल जाएं, यदि एक स्वच्छता अभियान निरंतर स्वच्छता की आदत बन जाए, एक स्वास्थ्य शिविर नियमित स्वास्थ्य-जागरूकता का माध्यम बने, एक रक्तदान शिविर नियमित रक्तदाताओं का समूह तैयार करे और वरिष्ठजन सम्मान पारिवारिक जिम्मेदारी का हिस्सा बने, तो सेवा सप्ताह का प्रभाव निश्चित रूप से अधिक व्यापक होगा।

अंततः किसी भी समाज की पहचान केवल उसकी भौतिक उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वहां सक्षम व्यक्ति कमजोर व्यक्ति के लिए कितनी संवेदना रखता है और नागरिक अपने सामाजिक दायित्वों को कितनी ईमानदारी से निभाते हैं। सेवा यदि संवेदना से जुड़ जाए तो वह संस्कार बनती है, संवेदना यदि दायित्व में बदल जाए तो सामाजिक शक्ति बनती है और जब यही सामाजिक शक्ति सामूहिक रूप से सक्रिय होती है, तब सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है। लायंस क्लब इंदौर का सेवा सप्ताह इसी विचार को जन-जन तक पहुंचाने और 'सेवा' को एक आयोजन से आगे बढ़ाकर जीवन की संस्कृति बनाने का सार्थक अवसर है।

लेखक



प्रो.मनमोहन प्रकाश

मातृ पितृपूजन दिवस

देखे दुनिया जो कल थे,
देखे आज अब हम।
उन्हीं से तो धरा पर आये,
जग से परिचित हुए हम॥

रीति रिवाज बंधनों में बांधे,
उन्हीं के तो संस्कार हम।
गुणधर्म उन्हीं के दिये,
उनके ही तो प्रतीक हम॥

कई युगों से चली आ रही,
यही श्रृंखला की कड़ी है हम।
पूर्वजों का आशीष रहे सदा,
पूर्वजों का श्रा मुक्त करें हम॥

वे दिखाई नहीं हैं देते,
पर उनकी नजर में हैं हम।
उनका स्मरण भाव ही,
करते ईश्वर दर्शन हैं हम॥

मात-पिता की सेवा से ही,
सर्वदोषहोतेमुक्तहम।
दीन असहयोग की सेवाही,
बने मानवता का प्रतीक हम॥

कई पर्व उत्सव मनाते,
और त्यौहारों की झड़ी हम।
माता-पिता की पूजा करें,
वयोकि उन्हीं से हैं हम॥

रचनाकार



प्रकृति अनुरागी वीउपवशी

शब्दवर्गपहेली क्र.- 285

1	2	3	4		5	6		7		8	9		10	11	12		13		14	15
16					17			18		19		20		21			22	23		
24			25	26			27		28		29	30					31	32		
			33				34				35						36			
37	38		39		40			41	42			43	44		45				46	
	47				48	49		50			51							52		
53			54	55			56			57	58						59			
60		61				62			63			64		65		66		67		
	68		69		70			71		72		73		74		75		76	77	
78			79	80			81		82		83			84				85		
			86				87			88		89	90		91	92				
93	94			95			96	97			98				99			100		
101			102				103					104	105					106		
			107		108	109			110	111	112		113		114	115		116		117
118	119		120						121				122						123	
124				125			126					127				128				

ck;।।nk;।।- 1) शाहजहां की प्रसिद्ध बेगम जिनकी याद में आगरे का प्रसिद्ध ताजमहल बनाया गया 7) वह देश जिसकी राजधानी पोर्ट लुईस है 10) महाराणा प्रताप के घोड़े का नाम 14) सपना 16) बचाखुचा 17) शरीफा 19) जाननखाना 21) नजदीक 22) शव 24) मन्न 25) जीम 27) गायब 29) किसी बात को चरम सीमा तक पहुंचाना आशयवाला एक मुहावरा 31) आक्रमण 34) बेवजह 35) घड़ा 36) छोटे सिककों में रुपये को बदलना 37) जीवन-यापन का ढंग 41) वृद्ध, बौद्ध भिक्षु 43) सूजी 45) नैकी, हित 47) पिता 48) एक प्राचीन कालीन वाहन 50) भेट वस्तु के आवरण को हटाना 51) याचना करना इस अर्थवाला एक मुहावरा 52) राजा दशरथ की बड़ी बहु 53) प्राचीन काल में देवता इसका रसपान करते थे 54) नियंत्रित करना इस अर्थ का एक मुहावरा 57) कसम 60)

वेश्यागृह 62) अस्थिर 63) मृगया 66) चंपत होना, दौड़ना 68) अपने अधिकार में लेना 70) प्रेम 72) कुछ संबंध या मतलब न होना अर्थ की एक कहावत 76) पातक 78) पेड़ का धड़ 79) बुरी वासना 81) मुश्किल, आगे का व्यक्ति 83) तरीका 84) एक प्रकार का महीन तंतु जिसके कपड़े बनाये जाते हैं 85) इकट्ठा 86) तुरन्त चुकाया जानेवाला रुपया पैसा 87) जिस प्रकार से (काव्य में प्रयुक्त) 88) किरण 89) बरसात 91) टूटी फूटी या पुरानी वस्तुओं को खरीदनेवाला या बेचनेवाला 93) और 95) फायदा 96) तमस वृत्तिवाला 98) खरगोश 99) पैर 100) पराक्रमी 101) कुशलता, दक्षता 103) अर्जुन की एक पत्नी 104) मुसलमानों का एक त्यौहार 106) राजस्थान में राजाओं के नाम से पहले यह राजासूचक शब्द लिखा जाता था 107) पक्षपात 110) सरदार की पत्नी 114) नस

116) साथ में रहना 118) चंद्रमा(अं.) 120) उग्र विष 121) कारखाने में ढ़ला रुपया आदि 122)पुनः पुनः 123) दिवस 124) पेड़ 125) घ्राणेंद्रिय 126) दास, ताश का एक पत्ता 127) लाज 128) मख्खन
Aij I: ulp: - 1) श्रीकृष्ण का एक नाम 2) बड़ा 3) घंटा 4) जलयान 5) सुंदर 6) बेल 7) अत्यंत धनवान 8) मधु 9) सिर 11) तुरन्त 12) व्यायाम 13) शिष्य 15) प्रतिशोध 18) कलाकार 20) प्रासाद 23) एक मंगल वाद्य 26) एक दर्जन 28) युद्ध का मैदान 30) लव कुश के दादा 32) निषेध 33) चिन्तन 35) शुल्क 38) विस्मरण करना 38) पचाना 39) पूरा 40) मुलायम 42) विपरीत बुद्धि, एक कहावत 44) लौटया हुआ 45) राम के एक भाई 46) व्यतीत करना 49) मूमिपर विवरण करनेवाला 50) गुमना 51) कर 53) विचार 55) बिजली 56) कपोल 58) परस्त्री 59) धब्बा 61) लक्ष 64) सन्देह 65) छेने की एक बंगला मिठाई 66) एक हिन्दू महिना 67) अपवित्र 69) व्यर्थ 70) तृष्णा 71) एक प्रसिद्ध मुनि जिनके बारे में बताया जाता है कि उन्होंने विष्णु के छाती में लात मारने पर भी उन्हें क्षमा किया गया था 73) विश्वास 74) राजा 75) बालक का नाम रखने का संस्कार 77) समाचार पत्र का एक प्रमुख कर्मचारी वर्ग 78) जलते हैं जिसके लिए.....इस पुराने गीत के प्रसिद्ध गायक 80) मुंह 81) बीग बी नाम से जाने जानेवाले एक अभिनेता 82) आईना 85) पैर का नीचे और पीछेवाला उभरा या फूला भाग 86) घृणा 90) मुक्ति 92) शर 94) बचा 97) चेन्नई का पूर्ववर्ती नाम 98) साक्षात् 100) सरस्वती 102) किस्म 103) मीठा (स्वचाला) गीत आदि 105) राज्यसभा 106) रास्ता 108) अमूक 109) जलानेवाला 111) रुपया पैसा 112) नित्य के भोजन का एक पदार्थ 113) पानी 115) उष्ण 116) शरण का अशुद्ध उच्चारण 117) ब्रम्हा के चार मानसपुत्रों में से एक 119) मनुष्य (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

श्री	ला	दी	क्षि	त		द	र	अ	स	ल		दी	म	क		ध	म	नी		आ
त		प	ति		पा	स		ली	न		न	दी		ल	ता	ड़	ना		चौ	ग
ला	य	क		आ	ठ		अं	बा		गां	ब	मो	ह	न		क	द		रा	
	श		श	म	शा	न		बा	घ		यु	व	ती		ना	दि	र	शा	ह	
अ	स्वी	का	र		ला	न	त		रा	जी	ब	ला	ड़		ला	ना		ठ	ग	
व		लि	म	का		द	वा	खा	ना		क	त	ल		बा	घ	ख		द	
स	द	मा		ना	च		य	स		मां		ज	नै	ऊ		त	ल	वा	र	
र	ह		ह		क	ल	फ		य		प	ना	ह		न	ज	रा	ना		
	न	म	क	ह	ला	ल		गु	म	रा	ह		रू	प	सी		ना	य	रा	
र		र		बा		का	य	र		त	ला	श		त	ब	ला	क	ल	म	
च	क	म	क		सा	र		दा	य	रा		नि	रा	ला		ल	ब		त	
ना	ल		वि	य	त	ना	म		दा	नी		वा	म		प	सा	र	ना	ग	
का		ह	ता	श			त	न	य		द	र	बा	न		ग		रा	व	ण
र	वि		व		वि	ला	प		दा	द	र		ण		ह	र	गि	ज		न
	ल	व	ली	न		प	त्रि	का		म	का	न		बा	ल		न		भ	य
न	य	न			प	ता	का		हु	न	र	म	न्द		का	र	ना	मा		क



मजबूत विनिर्माण प्रदर्शन से देश का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में आठ प्रतिशत बढ़ा..

नई दिल्ली, (भाषा)।
विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन से देश का औद्योगिक उत्पादन अगस्त में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़ गया। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाले विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन अगस्त में नौ प्रतिशत बढ़ा, जबकि जुलाई में इसमें संशोधित 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

इस दौरान बिजली उत्पादन 12.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि खनन एवं संबद्ध क्षेत्र के उत्पादन में 5.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

सांख्यिकी मंत्रालय ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र ने लगातार तीसरे महीने आठ प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि दर्ज की है।

नई श्रृंखला के तहत जारी यह औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का पांचवां मासिक आंकड़ा है। इस श्रृंखला में औद्योगिक उत्पादन की गणना के लिए थोक कीमतों के

बजाय उत्पादक कीमतों का इस्तेमाल किया जाता है।

अगस्त, 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन 4.7 प्रतिशत बढ़ा था। वहीं, इस साल जुलाई के आईआईपी आंकड़े को 6.7 प्रतिशत के अस्थायी अनुमान से संशोधित कर 7.4 प्रतिशत कर दिया गया है।

विनिर्माण क्षेत्र के 23 में से 18 उद्योग समूहों में अगस्त में सालाना आधार पर वृद्धि दर्ज की गई। वाहन, विद्युत उपकरण और अन्य परिवहन उपकरणों के उत्पादन में क्रमशः 25.2 प्रतिशत, 30.9 प्रतिशत और 25.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

उपयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार, अगस्त में पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 16.9 प्रतिशत, मध्यवर्ती वस्तुओं का 13.7 प्रतिशत और बुनियादी ढांचा एवं निर्माण वस्तुओं का उत्पादन 6.4 प्रतिशत बढ़ा। टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं में 11.1 प्रतिशत और गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान औद्योगिक उत्पादन 6.7 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की प्रमुख अर्थशास्त्री दीप्ति देशपांडे ने कहा कि जुलाई एवं अगस्त में आईआईपी की औसत वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही, जो पहली तिमाही के औसत 6.2 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण के साथ पूंजीगत, मध्यवर्ती और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में वृद्धि से औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार व्यापक हुआ है।

हालांकि, देशपांडे ने कहा कि ऊंची लागत, ब्याज दरों और कमजोर वैश्विक मांग के कारण वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में औद्योगिक वृद्धि में नरमी आ सकती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद कच्चे तेल और अन्य औद्योगिक कच्चे माल की बढ़ती लागत से भी कारखाना उत्पादन और कंपनियों के मुनाफे पर दबाव पड़ सकता है।

क्रिसिल के मुताबिक, अगस्त में बिजली उत्पादन भी औद्योगिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार रहा। एजेंसी ने इसके लिए सामान्य से अधिक गर्म मौसम और कम बारिश को भी एक कारण बताया। अगस्त में बारिश सामान्य से 16 प्रतिशत कम रही। देशपांडे ने चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर के घटकर सात प्रतिशत रहने का अनुमान जताया, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 7.8 प्रतिशत रही थी।

महाराष्ट्र सरकार का पुणे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को 2036 तक 220 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

मुंबई, (भाषा)।
महाराष्ट्र सरकार ने नीति आयोग की वृद्धि केंद्र' पहल के तहत तैयार व्यापक विकास योजना में पुणे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को 2036 तक बढ़ाकर 200-220 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है।

पुणे आर्थिक क्षेत्र प्लिहाल महाराष्ट्र की आय में करीब 11 से 12 प्रतिशत का योगदान देता है और इसकी वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर 6 से 6.5 प्रतिशत है। योजना में इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

पुणे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का आकार 2025-26 में करीब 68 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जिसे 2035-36 तक बढ़ाकर 200-220 अरब डॉलर करने का प्रस्ताव है। इससे 2047 तक महाराष्ट्र को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में योगदान मिलेगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के समक्ष पेश पुणे 'वृद्धि केंद्र' योजना में 58 प्राथमिकता वाली परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इन पर 9 से 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने और अगले 10 वर्षों में 15 से 20 लाख अतिरिक्त रोजगार सृजित सृजित होने का अनुमान है।

योजना में पुणे नगर निगम, पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम और पुणे महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (पीएमआरडीए) के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र शामिल हैं।

सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी मौजूदा 13 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 11 रेल परियोजनाएं, 13 सड़क परियोजनाएं, 250 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क, 12,000-14,000 बसें और छह बहु-माध्यम परिवहन केंद्र विकसित करने का प्रस्ताव है। सरकार का लक्ष्य 2036 तक पात्र झुग्गी बस्तियों में रहने वाले 90 प्रतिशत परिवारों का पुनर्वास करना और विभिन्न आय वर्गों, औद्योगिक श्रमिकों, विद्यार्थियों तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए चार-पांच लाख किफायती घर बनाना भी है।

योजना में विनिर्माण, वाहन और बिजली से चलने वाले वाहन, इंजीनियरिंग सामान, रक्षा, रोबोटिक्स एवं ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर तथा जैव प्रौद्योगिकी समेत छह क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है।

योजना के तहत बिजली से चलने वाले वाहनों और भविष्य की परिवहन व्यवस्था के लिए केंद्र, उच्च प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रक्षा प्रौद्योगिकी और रोबोटिक्स विनिर्माण केंद्र तथा सूचना प्रौद्योगिकी, वैश्विक क्षमता केंद्र और कृत्रिम मेधा केंद्र विकसित करने का प्रस्ताव है। इन क्षेत्रों से चार-पांच लाख अतिरिक्त रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।पुणे क्षेत्र में प्लिहाल करीब 56 लाख रोजगार हैं और योजना में अगले 10 वर्षों में इनकी संख्या बढ़ाकर 74 से 76 लाख करने का लक्ष्य रखा गया है। अतिरिक्त रोजगार विनिर्माण, सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, कृषि प्रसंस्करण और परिवहन क्षेत्रों में पैदा किए जाने का प्रस्ताव है।

इसके साथ पुणे आर्थिक क्षेत्र को देश के शीर्ष 10 पर्यटन स्थलों में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। इसमें किलों और झीलों, खेल एवं साहसिक पर्यटन, स्वास्थ्य और विवाह पर्यटन, आयोजन पर्यटन, वन्यजीव तथा धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन पर जोर दिया जाएगा।

रुपया 22 पैसे टूटकर 95.97 प्रति डॉलर पर

मुंबई, (भाषा)।
वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने में धारणा के बीच रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे टूटकर 95.97 पर बंद हुआ। अमेरिका द्वारा ईरान के समझौते के प्रस्ताव को खारिज किए जाने से होर्मुज

जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की उम्मीदें कम हुई हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध जारी रहने से वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की धारणा बनी हुई है। जोखिम वाली परिसंपत्तियों में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से रुपये पर दबाव बना रह सकता है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.89 पर कमजोर खुला। कारोबार के दौरान यह और टूटकर 96.05 के दिन के कारोबार के निचले स्तर को छू गया। बाद में यह 95.87 के दिन के उच्चतम स्तर को छूने के बाद पिछले बंद भाव के मुकाबले 22 पैसे की गिरावट के साथ 95.97 पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को 24 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, “अमेरिका द्वारा ईरान के समझौते के प्रस्ताव को खारिज किए जाने से वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की धारणा बड़ी और भारतीय रुपया करीब 20 पैसे गिर गया। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की उम्मीदें कम हुई हैं। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई, जबकि वैश्विक बाजारों में भारी गिरावट आई। अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी बॉण्ड प्रतिफल दरों में भी बढ़ोतरी हुई।”

चौधरी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध जारी रहने से वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की धारणा के कारण रुपये में आगे भी नरमी का रख रह सकता है।

उन्होंने कहा, “जोखिम वाली परिसंपत्तियों में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से रुपये पर दबाव बना रह सकता है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक का कोई हस्तक्षेप रुपये को

निचले स्तर पर सहारा दे सकता है।”

चौधरी ने कहा कि कारोबारियों की नजर फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) के विभिन्न सदस्यों की टिप्पणियों पर रहेगी।

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत बढ़कर 101.12 पर कारोबार

कर रहा था।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चे तेल का वायदा भाव 3.57 प्रतिशत बढ़कर 108.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 1,124.02 अंक टूटकर 72,771.72 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360.25 अंक की गिरावट के साथ 22,780.25 अंक पर रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने सोमवार को शुद्ध रूप से 5,353.22 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 सितंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.88 अरब डॉलर घटकर 765.90 अरब डॉलर रह गया। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में गिरावट इसके पीछे प्रमुख कारण रही।

टाटा संस को बाजार सूचीबद्धता से बचाने के लिए टाटा ट्रस्ट ने रखा पुनर्गठन प्रस्ताव

मुंबई, (भाषा)।
टाटा ट्रस्ट ने टाटा संस को एनबीएफसी और प्रमुख निवेश कंपनी (सीआईसी) के नियामकीय दायरे से बाहर लाने के लिए सोमवार को उसके पुनर्गठन का प्रस्ताव रखा।

इसके तहत समूह की दो कंपनियों का टाटा संस में विलय किया जाएगा, जिससे टाटा संस को गैर-सूचीबद्ध निजी कंपनी बनाए रखा जा सके।

टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले ट्रस्ट ने एक बयान में कहा कि इस पुनर्गठन के तहत टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स सॉल्यूशंस (टीईएसएस) और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (टीसीई) का टाटा संस में विलय किए जाने का प्रस्ताव है।

ट्रस्ट ने कहा कि उसने टाटा संस के निदेशक मंडल से पुनर्गठन प्रस्ताव पर विचार करने और जरूरी कदम उठाने को कहा है। इसमें प्रस्तावित विलय के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से पहले अनापति प्रमाणपत्र लेना भी शामिल है।

टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने का विरोध कर रहे टाटा ट्रस्ट ने कहा कि प्रस्तावित पुनर्गठन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पुनर्गठित टाटा संस न तो गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) और न ही सीआईसी के नियामकीय मानदंडों को पूरा करे।

प्रस्तावित पुनर्गठन से टाटा संस में परिचालन कारोबार और टाटा समूह की कंपनियों में निवेश, दोनों को रखने वाली उसकी पुरानी व्यवस्था फिर स्थापित होगी। इससे टाटा संस की आय और परिसंपत्तियों की संरचना में भी बदलाव आएगा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) भी 2004

में अलग कंपनी बनाए जाने से पहले टाटा संस का ही हिस्सा थी।

यह प्रस्ताव टाटा संस के निदेशक मंडल और टाटा ट्रस्ट के बीच कंपनी के स्वामित्व ढांचे को लेकर बढ़ते मतभेदों के बीच आया है। नोएल टाटा की अध्यक्षता वाले ट्रस्ट टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने का विरोध करते रहे हैं। जुलाई, 2025 में दोनों प्रमुख टाटा ट्रस्ट ने कंपनी को गैर-सूचीबद्ध निजी इकाई बनाए रखने के प्रयास करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया था।

आरबीआई द्वारा 2022 में टाटा संस को 'अपर लेयर' एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बाद सूचीबद्धता का मुद्दा अहम हो गया। टाटा संस ने इस दर्जे से बाहर निकलने का अनुरोध किया था, जिसे आरबीआई ने सितंबर में खारिज कर दिया।

टाटा संस के निदेशक मंडल की हाल में हुई बैठक में कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्धता की दिशा में आगे बढ़ने का फैसला किए जाने के बाद टाटा ट्रस्ट के साथ विवाद और गहरा गया है। इस मामले में कानूनी राय भी ली जा रही है।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के कार्यकाल को लेकर भी विवाद सामने आया है। चंद्रशेखरन ने अगस्त में पवरी, 2027 के बाद

एक और कार्यकाल के लिए दावेदारी नहीं करने की बात कही थी। हालांकि, 17 सितंबर को निदेशक मंडल ने उन्हें पांच साल का एक और कार्यकाल देने का फैसला किया, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया। ट्रस्ट ने बाद में इसे कंपनी के उपनियमों के अनुरूप नहीं बताया।

टाटा ट्रस्ट की तरफ से रखे गए पुनर्गठन प्रस्ताव के मुताबिक, दोनों कंपनियों के टाटा संस में विलय से बनी

इकाई की 31 मार्च, 2026 तक परिचालन आय 1,05,043 करोड़ रुपये होगी, जो उसकी कुल आय का 64.3 प्रतिशत होगी। इसके मुकाबले वित्तीय परिसंपत्तियों से आय 40,072 करोड़ रुपये होगी।

इस पुनर्गठित इकाई के पास 2,00,158 करोड़ रुपये की शुद्ध परिसंपत्तियां होंगी। इसमें समूह की कंपनियों में निवेश 1,77,120 करोड़ रुपये यानी कुल शुद्ध परिसंपत्तियों के 90 प्रतिशत से कम होगा।

टाटा ट्रस्ट का कहना है कि इससे पुनर्गठित टाटा संस एनबीएफसी के मुख्य कारोबार संबंधी मानदंड और सीआईसी के लिए लागू शर्तों को पूरा नहीं करेगी।

प्रस्तावित विलय को आरबीआई के 2025 के एनबीएफसी स्वेच्छिक विलय संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। इसमें केंद्रीय बैंक से पहले अनापति प्रमाणपत्र लेना भी शामिल है।

टाटा ट्रस्ट ने कहा कि पुनर्गठन पूरा होने के बाद टाटा संस सीआईसी के रूप में अपना पंजीकरण प्रमाणपत्र आरबीआई को सौंप देगी।

प्रस्ताव पर अभी टाटा संस के निदेशक मंडल के विचार करना है। इसके अलावा आरबीआई की मंजूरी और विलय की प्रक्रिया पूरी होना भी जरूरी है।

बिहार के खनिज संसाधन के विकास में केंद्र हरसंभव सहयोग देगा: सतीश चंद्र दुबे

पटना, (भाषा)।
केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने सोमवार को कहा कि बिहार में उपलब्ध खनिज संसाधन के वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीक आधारित विकास के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी तथा खनिज खोज, ई-नीलामी और उत्पादन-प्रेषण की प्रक्रिया को तेज किया जाएगा।

दुबे ने पटना में बिहार के खनिज संसाधनों के विकास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए भूमिगत कोयला गैसीकरण यानी कोयले से गैस बनाने जैसी परियोजनाओं के माध्यम से राज्य के कोयला संसाधनों के उपयोग की संभावनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भागलपुर जिले में खोजे गए कोयला ब्लॉक में भूमिगत कोयला गैसीकरण की

संभावनाओं का संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत परीक्षण कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार की खनिज संपदा के वैज्ञानिक एवं सतत विकास की दिशा में कार्य करेंगी। संभावित निवेशकों और बोलीदाताओं को राज्य में उपलब्ध खनिज संसाधनों तथा उनकी तकनीकी संभावनाओं की जानकारी देने के लिए पटना में 'रोड शो' आयोजित की जाएगी।

बैठक में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के साथ-साथ अधिसूचित निजी अन्वेषण एजेंसियों की भागीदारी से खनिज अन्वेषण गतिविधियों को तेज करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने विभिन्न खनिजों की पहचान से लेकर उनके व्यावसायिक उपयोग तक की प्रक्रिया में केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता बताई।

बैठक में ग्लूकोनाइट, लाइमस्टोन, निकेल-क्रोमियम, प्लैटिनम समूह तत्व (पीजीई) तथा पत्थर के विभिन्न खनिज ब्लॉक की ई-नीलामी

की प्रगति की भी समीक्षा की गई। रोहतास जिले के पिपराडीह-भुरवा एवं चुटिया-नौहट्टा ग्लूकोनाइट ब्लॉक तथा भोरा-कथरा लाइमस्टोन ब्लॉक की स्थिति पर चर्चा हुई।

इसके अलावा, गया जिले के गेंजाना निकेल-क्रोमियम एवं पीजीई ब्लॉक में उत्पादन और प्रेषण की स्थिति की समीक्षा करते हुए दुबे ने संबंधित प्रक्रियाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा कर शीघ्र उत्पादन शुरू करने के निर्देश दिए।

राज्य के खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि बिहार की खनिज संपदा औद्योगिक एवं आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार है। सरकार का लक्ष्य खोज से लेकर ई-नीलामी, उत्पादन और प्रेषण तक पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी, वैज्ञानिक और समयबद्ध बनाना है।

बैठक में खान मंत्रालय, बिहार खान एवं भूतत्व विभाग, जीएसआई, राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट (एनएमईटी), मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) तथा अन्य संबंधित संस्थानों के अधिकारी उपस्थित थे।

सेबी ने ग्रोपिटल समेत 28 इकाइयों पर लगाया 25 करोड़ रुपये से अधिक जुर्माना

नई दिल्ली, (भाषा)।
बाजार नियामक सेबी ने बिना पंजीकरण के सामूहिक निवेश योजना (सीआईएस) चलाने के मामले में कृषि निवेश मंच ग्रोपिटल समेत 28 इकाइयों पर 25 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। नियामक ने इन इकाइयों को प्रतिभूति बाजार से अधिकतम पांच साल के लिए प्रतिबंधित भी किया है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने फर्म टेक साइलेंट एलएलपी समेत आठ इकाइयों पर दो-दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। फर्म टेक साइलेंट को ग्रोपिटल के नाम से भी जाना जाता है। आठ इकाइयों में कंपनी के संस्थापक तन्हाजा शर्मा भी शामिल है। इन्हें पांच साल के लिए प्रतिभूति बाजार से भी प्रतिबंधित किया गया है।

इन इकाइयों को निवेशकों से कोई और पैसा जुटाने तथा किसी सामूहिक निवेश योजना को शुरू करने या संचालित करने से भी रोक दिया गया है। सेबी ने सोमवार को जारी 166 पृष्ठ के अंतिम आदेश में कहा कि उसकी जांच में पाया गया कि

ग्रोपिटल से जुड़ी इकाइयों ने 5,208 अलग-अलग निवेशकों से 192.88 करोड़ रुपये जुटाए। इसके बदले निवेशकों को उनके योगदान के आधार पर इकाइयां आवंटित की गईं।

बाजार नियामक के अनुसार, यह व्यवस्था बाजार नियमों के तहत सामूहिक निवेश योजना की शर्तों को पूरा करती थी। नियामक ने यह भी पाया कि फर्म साइलेंट को एलएलपी से करीब 95.60 करोड़ रुपये बिना किसी वास्तविक कारोबारी गतिविधि के योद्धा एगो वेंचर्स को हस्तांतरित किए गए। नियामक ने कहा कि यह व्यवस्था सामूहिक निवेश योजना थी, जिसे

आवश्यक पंजीकरण के बिना संचालित किया गया। इसके अलावा, इसमें धोखाधड़ी और अनुचित व्यापार गतिविधियों की रोकथाम संबंधी नियमों का भी उल्लंघन हुआ।

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश सी वाण्येय ने कहा कि कि करीब 20 इकाइयों ने धोखाधड़ी वाली गतिविधियों में 'मदद और सहयोग' किया। इन इकाइयों ने विभिन्न स्तरों वाली व्यवस्था के जरिये जेडएफएलएलपी के बैंक खातों से योद्धा तक धन पहुंचाने के लिए माध्यम के रूप में काम किया, जबकि इसके पीछे कोई वास्तविक कारोबारी गतिविधि नहीं थी।

इसके अनुसार, नियामक ने इन 20 इकाइयों पर 20-50 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया और उन्हें अधिकतम तीन साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया।

सेबी ने निवेशकों से जुटाई गई बकाया राशि 12 प्रतिशत सालाना ब्याज के साथ लौटाने का निर्देश दिया है। ब्याज की गणना 29 जनवरी, 2024 से राशि लौटाए जाने की तारीख तक की जाएगी।

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

9 मंगलवार 29 सितंबर 2026

लांजी किरनापुर हट्टा

● भानेगांव ● मोहड़री ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साइरा ● हिर्यी ● रजेगांव

विज्ञापन आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

वंदे मातरम् के 150 वर्ष: 54 सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्रों में हुआ वंदे मातरम् का सामूहिक गान

जगप्रेरणा लांजी।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र जिला बालाघाट के अंतर्गत जिले के सभी 54 संस्कार केंद्रों में 25 सितंबर को



प्रातः 11 बजे वंदे मातरम् के 150वें वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक वंदे मातरम् गीत गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के सभी संस्कार केंद्रों में एक साथ हुए इस आयोजन में विद्यार्थियों, आचार्य-दीदियों, ग्राम के गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति एवं युवाशक्ति ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जिला समन्वयक नरेंद्र मरावी ने बताया कि बालाघाट जिले के सभी 54 सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्रों में निर्धारित समय पर

सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य मां भारती के प्रति श्रद्धा, राष्ट्र के प्रति समर्पण तथा नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करना है। साथ ही लोगों में देशप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना का संचार करना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं को राष्ट्र के गौरव, भारतीय संस्कृति और देश के प्रति अपने दायित्वों से परिचित कराने का

अवसर मिलता है। सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन समाज में एकता, भाईचारे और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करता है। इसी क्रम में बिजागाढ़ संकुल घोटी, जिला बालाघाट में भी कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। संस्कार केंद्र की आचार्य दीदी भारती मस्के के मार्गदर्शन में वंदे मातरम् एवं उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। कार्यक्रम में ग्राम के गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति एवं युवाशक्ति की भी सहभागिता रही। विद्या भारती द्वारा आयोजित इस राष्ट्रभावना से जुड़े कार्यक्रम की उपस्थितजनों ने सराहना की। ग्रामीणजनों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों और युवाओं में राष्ट्र के प्रति प्रेम, गौरव और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बिजली की आँख मिचौली से सभी वर्ग परेशान, लोगों के आवश्यक कार्य होते हैं प्रभावित..

जगप्रेरणा लांजी।

नगर में लगातार हो रही विद्युत कटौती से नागरिकों की परेशानी बढ़ती जा रही है। वर्षभर मेंटेनेंस और सुधार कार्य के नाम पर अलग-अलग समय में विद्युत आपूर्ति बंद किया जाना



अब आम समस्या बनती जा रही है। इसके बावजूद विद्युत व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नजर नहीं आने से नगरवासियों में नाराजगी बढ़ रही है। बार-बार बिजली गुल होने का असर घरेलू कामकाज के साथ ही व्यापारिक गतिविधियों, छोटे उद्योगों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की दिनचर्या पर भी पड़ रहा है। नगरवासियों का कहना है कि विद्युत विभाग द्वारा समय-समय पर मेंटेनेंस एवं आवश्यक सुधार कार्य के लिए बिजली बंद किए जाने की सूचना सोशल मीडिया के माध्यम से दी जाती है।

नागरिक विभाग द्वारा घोषित कटौती को आवश्यक मानकर सहयोग भी करते हैं, लेकिन इसके बाद भी विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में स्थायी सुधार दिखाई नहीं देता। कई बार निर्धारित समय के अतिरिक्त भी बिजली बंद रहने से लोगों को

परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है। समस्या की जानकारी लेने अथवा शिकायत दर्ज कराने के लिए नागरिक विद्युत विभाग के दूरभाष नंबरों पर संपर्क करने का प्रयास करते हैं, लेकिन कई बार कॉल नहीं लगने अथवा संपर्क होने के बावजूद संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने की शिकायत सामने आती है। इससे उपभोक्ताओं को यह पता नहीं चल पाता कि विद्युत आपूर्ति कब तक बहाल होगी। नगरवासियों का कहना है कि विद्युत कटौती की सूचना देना अपनी जगह आवश्यक है, लेकिन इसके साथ ही विद्युत व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए स्थायी एवं प्रभावी प्रयास भी किए जाने चाहिए।

यदि मेंटेनेंस के नाम पर बार-बार विद्युत आपूर्ति बंद की जा रही है तो उसके सकारात्मक परिणाम भी उपभोक्ताओं को दिखाई देने चाहिए। लगातार हो रही कटौती से नागरिकों में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर बार-बार किए जा रहे सुधार कार्यों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है। विद्युत कटौती का असर नगर के व्यापारियों पर भी पड़ रहा है। बिजली पर निर्भर दुकानों और प्रतिष्ठानों में कामकाज प्रभावित होता है। वहीं घरों में विद्यार्थियों की पढ़ाई और दैनिक कार्य भी प्रभावित होते हैं। गर्मी अथवा उमस के दौरान विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर बुजुर्गों, बच्चों और आम नागरिकों को अतिरिक्त परेशानी उठनी पड़ती है। नगरवासियों ने विद्युत विभाग से मांग की है कि बार-बार होने वाली विद्युत कटौती की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। मेंटेनेंस कार्यों को बेहतर योजना बनाकर अनिवार्य कटौती से बचा जाए तथा विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाए। साथ ही उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए ऐसे दूरभाष नंबर सक्रिय किए जाएं, जिन पर जरूरत के समय आसानी से संपर्क स्थापित हो सके।

माइक्रोबायोलॉजी की आधुनिक तकनीकों से रूबरू हुए विद्यार्थी

जगप्रेरणा बालाघाट।

सूक्ष्मजीव विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे नवीन अनुसंधानों, आधुनिक तकनीकों और प्रयोगशाला आधारित ज्ञान से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को परिचित कराने के उद्देश्य से पीएम कॉलेज ऑफ



एकसीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। माइक्रोबायोलॉजी एवं बांटीनी विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागियों को विषय की आधुनिक तकनीकों के साथ उनके व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी गई। 'रिसैट एडवांस एंड बेसिक टेक्निक्स इन माइक्रोबायोलॉजी' विषय पर आयोजित कार्यशाला महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. अशोक मराठे की मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यशाला की संयोजक प्रो. प्रतिमा बिसेने एवं डॉ. भूपेंद्र ब्रम्हे रहे। समापन अवसर पर प्रो. प्रतिमा बिसेने ने कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के व्यावहारिक प्रशिक्षण विद्यार्थियों के

शोध कौशल को विकसित करने के साथ उनकी रोजगारपरक क्षमताओं को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने छह दिनों के दौरान आयोजित विभिन्न तकनीकी एवं प्रायोगिक सत्रों की उपलब्धियों की जानकारी दी।

जे.एस.टी.पीजी कॉलेज में छह दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

आयोजन सचिव प्रो. राजेश कुमार लिल्लारे ने छह दिवसीय कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आयोजन की गतिविधियों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने विषय विशेषज्ञों, महाविद्यालय प्रशासन, सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों से परिचित कराना इस कार्यशाला की प्रमुख सार्थकता रही। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ एवं प्रमुख वक्ताओं के रूप में डॉ. शेखराव नवांगे, डॉ. रणधीर कुमार झा, डॉ. अन्नू झा, डॉ. संपत घोष एवं श्री चंद्रशेखर पटले ने सहभागिता की। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को माइक्रोबायोलॉजी की आधुनिक तकनीकों, प्रयोगशाला प्रक्रियाओं, कल्चर मीडिया की बारीकियों तथा शोध के नवीन आयामों पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। आयोजन की सफलता में सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. प्रवीण कौशले, प्रो. मुकेश बिसेने एवं प्रो. दीक्षा सैयाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे ने कहा कि ऐसे अकादमिक आयोजनों से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है और उन्हें आधुनिक शोध पद्धतियों तथा तकनीकों की व्यावहारिक समझ प्राप्त होती है।

निर्भया आजीविका संगठन की वार्षिक आम-सभा संपन्न, संगठन के माध्यम से महिलाएं बनेगी आत्मनिर्भर..

जगप्रेरणा लांजी।

निर्भया आजीविका संकुल स्तरीय संगठन लांजी की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन मंगल भवन लांजी में किया गया। कार्यक्रम में संगठन से जुड़े महिला

समूहों की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभा के दौरान संगठन की अब तक की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राजकुमार करहि उपस्थित रहे।

वहीं अन्य अवसर, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत लांजी, रमेश भट्टे, पूर्व विधायक लांजी तथा रेवाजी करहटकरे, सभापति महिला एवं बाल विकास, जनपद पंचायत लांजी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की।

इस अवसर पर राजाराम परते, विकासखंड प्रबंधक, समूह प्रेरक सुनीता चन्ने, सहायक विकासखंड प्रबंधक अतीत फुलमारी, कार्यालय सहायक होमेश पांचे एवं कुणालाल मटाले सहित



अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभा में संगठन की ओर से श्रीमती कविता कोशरे, श्रीमती अख्तरा शेख रानी, सचिव श्रीमती उमेश्वरी दक्षेल, कोषाध्यक्ष श्रीमती मंजूषा मेश्राम,

उपाध्यक्ष श्रीमती जैतुरा कारमेघे, सह-सचिव, कार्यकारिणी सदस्य एवं संगठन से जुड़ी अन्य महिलाओं ने सहभागिता की। वार्षिक साधारण सभा में महिलाओं की आजीविका को सुदृढ़ करने, स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों को विस्तार देने तथा संगठन के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की गई।

साथ ही आगामी समय में महिला समूहों की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को आजीविका के अवसरों से जोड़ने को लेकर कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। अतिथियों ने महिला स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए महिलाओं को निरंतर सक्रियता के साथ कार्य करने तथा संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला समूहों की सदस्य एवं संगठन से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित रहे। वार्षिक साधारण सभा संगठन की आगामी गतिविधियों एवं कार्ययोजनाओं के निर्धारण की दृष्टि से महत्वपूर्ण रही।

अमेड़ा के मुकुंद बड़घैया का मेडिकल कॉलेज में चयन, गांव, माता पिता, समाज व क्षेत्र का नाम किया रोशन..

जगप्रेरणा लांजी।

प्रतिभा को यदि मेहनत, लगन और सही दिशा मिले तो सफलता की राह आसान हो जाती है। इसी बात को चिंतार्थ करते हुए लांजी की माटी इन दिनों प्रतिभाओं को तराशने



वाली धरती के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्र के अनेक विद्यार्थियों ने शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। खासकर चिकित्सा के क्षेत्र में लांजी अंचल के विद्यार्थियों की सफलता में लगातार सामने आ रही है। इसी कड़ी में ग्राम अमेड़ा निवासी मुकुंद पिता बलराम बड़घैया एवं माता सुनीता बड़घैया ने अपने पहले ही प्रयास में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में चयन हासिल कर परिवार, गांव और पूरे लांजी क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। मुकुंद का चयन मेडिसिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए हुआ है।

पहले ही प्रयास में चिकित्सा जैसे प्रतिष्ठित क्षेत्र में प्रवेश हासिल करना मुकुंद की मेहनत, अनुशासन, लगन और लक्ष्य के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उनकी इस उपलब्धि की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। मुकुंद ने चिकित्सक बनने का सपना

वर्षों से शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की उल्लेखनीय सफलताएं सामने आ रही हैं। छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से निकलकर विद्यार्थी बड़े शहरों के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त कर रहे हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में भी क्षेत्र के विद्यार्थियों की बढ़ती उपलब्धियां इस बात का संकेत हैं कि प्रतिभा को यदि उचित मार्गदर्शन, मेहनत और अवसर मिले तो ग्रामीण अंचल के विद्यार्थी भी किसी से पीछे नहीं हैं। मुकुंद बड़घैया की सफलता ने क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों में भी उत्साह और नई ऊर्जा का संचार किया है। उनकी उपलब्धि उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है, जो ग्रामीण परिवेश या सीमित संसाधनों के बीच रहकर बड़े सपने देखते हैं। मुकुंद की सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प, निरंतर परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ कठिन से कठिन लक्ष्य की ओर मजबूती से बढ़ा जा सकता है। मुकुंद की इस उपलब्धि से अमेड़ा गांव सहित पूरे लांजी क्षेत्र में गर्व का वातावरण है। अब क्षेत्रवासियों की उम्मीद है कि चिकित्सा शिक्षा की इस नई छात्रा में मुकुंद निरंतर सफलता प्राप्त करते हुए भविष्य में एक संवेदनशील एवं कुशल चिकित्सक के रूप में समाज और क्षेत्र की सेवा करेंगे। लांजी अंचल में पिछले कुछ

एशिया में सर्वश्रेष्ठ संस्था का अवॉर्ड महावीर इंटरनेशनल को, शिरडी में हुई गवर्निंग काउंसिल की बैठक..

जगप्रेरणा लांजी।

महाराष्ट्र के शिरडी स्थित सेंट लार्न होटल रिसोर्ट में 27 सितंबर 2026 को महावीर इंटरनेशनल एपेक्स की गवर्निंग काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में देशभर से संस्था के पदाधिकारियों एवं गवर्निंग काउंसिल सदस्यों ने सहभागिता की। इस दौरान संस्था की आगामी गतिविधियों, सेवा कार्यों एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में फिलीपींस से आए मिस्टर चुसी पीसे, पीस प्राइज इंटरनेशनल के डायरेक्टर एवं उनकी टीम ने विशेष अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस अवसर पर सत्र 2026-27 के लिए एशिया में सर्वश्रेष्ठ संस्था का अवॉर्ड महावीर इंटरनेशनल एपेक्स को प्रदान करने की घोषणा की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने इसे सेवा, समर्पण एवं मानवता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर



पर अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन, सेक्रेटरी जनरल सोहन वैद्य एवं कोषाध्यक्ष सुधीर जैन को संस्था की इस उपलब्धि तथा निरंतर सेवा कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी गई। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विभिन्न समितियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके साथ ही आगामी सेवा गतिविधियों को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से संचालित करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय

स्तर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संस्था के सेवा कार्यों के विस्तार और संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर अपने सुझाव भी रखे। महाकौशल जोन के चेयरमैन विशाल राउत खोंगल ने महावीर इंटरनेशनल एपेक्स की पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संस्था का मूल मंत्र 'सेवा, समर्पण और मानवता' सभी सदस्यों को समाज के ज़रूरतमंद लोगों तक सेवा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि महावीर इंटरनेशनल को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलना संस्था से जुड़े सेवा भावी सदस्यों के लिए गौरव का विषय है। बैठक में महावीर इंटरनेशनल महाकौशल जोन से अभय सेठिया, तरुण सुराणा, सुशील जैन एवं राकेश सचान तथा छत्तीसगढ़ जोन के चेयरमैन जॉर्जसन हरितवाल सहित देशभर से आए गवर्निंग काउंसिल के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में संस्था की आगामी सेवा योजनाओं एवं गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।



विज्ञापन
आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

10 मंगलवार 29 सितम्बर 2026

लालबर्‍रा, बैहर, परसवाड़ा

● कनकी ● खमरिया ● जाम ● कंजई ● उकवा ● मलाजखंड ● बिरसा ● लामटा ● चांगोटोला

विज्ञापन
आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

नमो सेवा - अनकही कहानियों’ के मंचन से जीवंत हुई सार्वजनिक जीवन की यात्रा

सेवा संकल्प अभियान के तहत लालबर्‍रा में विद्यार्थियों ने संवाद, अभिनय और संगीत के माध्यम से प्रस्तुत की नाट्य प्रस्तुति...



जगप्रेरणा बालाघाट।
सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सोमवार, 28 सितंबर को लालबर्‍रा के उत्कृष्ट विद्यालय एवं शासकीय महाविद्यालय के सभागार में %नमो सेवा— अनकही कहानियां’ नाट्य प्रस्तुति का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों और कलाकारों ने संवाद, अभिनय, संगीत एवं भावपूर्ण मंचन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को प्रस्तुत किया।

मंच पर प्रस्तुत किए सार्वजनिक जीवन के प्रसंग
%सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत जिले में आयोजित की जा रही विशेष नाट्य प्रस्तुतियों की श्रृंखला में लालबर्‍रा में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के विभिन्न प्रसंगों को नाट्य रूप में प्रस्तुत किया। प्रस्तुति में सेवा, समर्पण, जनकल्याण, सुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी और जनभागीदारी जैसे विषयों को केंद्र में रखा गया। विद्यार्थियों द्वारा किए गए अभिनय, संवाद और संगीत के समन्वय ने प्रस्तुति को प्रभावी बनाया। मंचन के माध्यम से विद्यार्थियों और उपस्थित दर्शकों तक सेवा एवं सामाजिक सहभागिता से जुड़े संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र के समक्ष उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एस.के. दुबे, शासकीय महाविद्यालय लालबर्‍रा की प्राचार्य डॉ. सुमन बरवा एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अनिल चौरे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।
बड़ी संख्या में विद्यार्थी रहे उपस्थित...
कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व

क्षमता विकास पाठ्यक्रम से जुड़े विद्यार्थी, उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राएं, शासकीय महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं मेंटर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला समन्वयक जन अभियान परिषद महेश पटले, विकासखंड समन्वयक अनिल चौरे, प्राचार्य एस.के. दुबे, प्राचार्य डॉ. सुमन बरवा, नवीन लोढ़ा, महेंद्र कटरे, दामेंद्र हरिनखेड़े, ऋतु बिसेन, प्रेमवती, निकिता गोयल सहित महाविद्यालय का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नाट्य कला के साथ सामाजिक सरोकारों एवं जनभागीदारी से जुड़े विषयों को समझने और उन्हें रचनात्मक माध्यम से प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

नेवरगांव के पेयजल स्रोत का सुजलाम भारत एप पर किया जियो टैग

बिरसा के पल्हेरा, दमोह और कनिया में हैंडपंपों का वलोरिनेशन एवं आवश्यक सुधार कार्य...

जगप्रेरणा बिरसा।
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले में पेयजल स्रोतों की निगरानी एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में 28 सितंबर 2026 को ग्राम नेवरगांव के पेयजल स्रोत का सुजलाम भारत एप पर जियो टैग किया गया।
कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री बी.एल. उडके एवं सहायक यंत्री श्री सत्यम पटेल की उपस्थिति में विभागीय अमले द्वारा ग्राम नेवरगांव के पेयजल स्रोत की जियो टैगिंग की गई। इस कार्य में शीतल मिश्रा, रानी सिंह राजपूत एवं दिलीप कुतुबहे ने सुजलाम भारत एप के माध्यम से पेयजल स्रोत को जियो टैग किया। इसके साथ ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट द्वारा बिरसा विकासखंड के ग्राम पल्हेरा, दमोह एवं कनिया में



पेयजल व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से हैंडपंपों का

क्लोरीनेशन किया गया। आवश्यकतानुसार हैंडपंपों का सुधार कार्य भी कराया गया।
विभाग द्वारा पेयजल स्रोतों की स्थिति की निगरानी के साथ-साथ जल स्रोतों की स्वच्छता एवं पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए क्लोरीनेशन और आवश्यक मरम्मत कार्य किए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों को सुरक्षित एवं उपयोग योग्य बनाए रखना विभाग की प्राथमिकताओं में शामिल है।

विश्व हृदय दिवस पर 30 सितंबर को बैहर में लगेगा निःशुल्क हृदय रोग शिविर....

बैहर, बिरसा और परसवाड़ा के हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की होगी ईको जांच, सर्जरी भी निःशुल्क

जांच और उपचार पूरी तरह निःशुल्क

सीएमएचओ डॉ. दाहिया ने बताया कि शिविर में होने वाली सभी जांचें पूरी तरह निःशुल्क रहेंगी। राजाराम चक्रवर्ती ने अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों के साथ जन्म प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, समग्र आईडी, बच्चे की दो फोटो तथा पूर्व की जांच रिपोर्ट (यदि उपलब्ध हो) अवश्य लेकर आएँ। आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने से बच्चों की जांच एवं उपचार की प्रक्रिया सुगम होगी। जांच के बाद यदि किसी बच्चे को हृदय की सर्जरी के लिए चयनित किया जाता है, तो उसकी सर्जरी राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत निःशुल्क कराई जाएगी। उपचार के दौरान मरीजों के लिए ठहरने, भोजन, यात्रा और आवश्यक दवाइयों की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

सुबह 10.30 से दोपहर 3 बजे तक होगा शिविर...

हृदय रोग शिविर का आयोजन 30 सितंबर को सिविल अस्पताल बैहर में सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने हृदय रोग से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर अपने बच्चों को शिविर में लेकर पहुंचें और निःशुल्क जांच एवं उपचार की सुविधा का लाभ उठाएं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9630881540 पर सम्पर्क किया जा सकता है

देशी भैंसों से मिल रहा था कम दूध, नस्ल सुधार से बढ़ी आमदनी

मुर्ग नस्ल के नर भैंसे ने बदली कनकी के युवा पशुपालक कोमल गौतम की दुग्ध व्यवसाय की तस्वीर

जगप्रेरणा बालाघाट।

मेहनत और पशुपालन का अनुभव जब वैज्ञानिक तकनीक और विभागीय मार्गदर्शन से जुड़ जाए तो पशुपालन केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि बेहतर आय का माध्यम भी बन सकता है। बालाघाट जिले के लालबर्‍रा विकासखंड के ग्राम कनकी के युवा पशुपालक कोमल गौतम की कहानी इसका उदाहरण है। कभी देशी नस्ल की भैंसों से कम दूध उत्पादन के कारण सीमित आमदनी करने वाले कोमल ने पशुपालन विभाग की सलाह पर पशुओं की नस्ल सुधार का रास्ता अपनाया और आज दुग्ध उत्पादन बढ़ने से उनकी आय में भी इजाफा हुआ है।

कम दूध उत्पादन बनी थी चुनौती

कोमल गौतम पहले देशी नस्ल की भैंसों का पालन करते थे और इन्हीं के दूध से अपना दूग्ध व्यवसाय संचालित करते थे। भैंसों की देखभाल और मेहनत के बावजूद देशी नस्ल की भैंसों से अपेक्षाकृत कम दूध प्राप्त होता था। इसका सीधा असर उनके दुग्ध व्यवसाय से होने वाली आय पर पड़ रहा था।

कोमल बताते हैं कि वे पशुपालन को और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन कम दूध उत्पादन उनके सामने बड़ी चुनौती



थी। इसी दौरान पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने उन्हें पशुओं की नस्ल सुधार के संबंध में जानकारी दी और बताया कि उन्नत नस्ल के पशुओं के माध्यम से दूध उत्पादन बढ़ाया जा सकता है।

मुर्ग नस्ल के नर भैंसे से शुरू हुआ बदलाव

पशुपालन विभाग के अधिकारियों की सलाह को कोमल ने गंभीरता से लिया। उन्होंने विभागीय योजना के माध्यम से मुर्ग नस्ल का नर भैंसा क्रय किया। इसके बाद उन्होंने अपने देशी नस्ल की भैंसों में मुर्ग नस्ल के नर भैंसे से प्राकृतिक गर्भाधान कराया। नस्ल सुधार की इस प्रक्रिया का परिणाम धीरे-धीरे सामने आने

लगा। कोमल के पशुधन में मुर्ग नस्ल की मादा भैंसों की संख्या बढ़ने लगी। उन्नत नस्ल की भैंसों से दूध उत्पादन में भी वृद्धि हुई। इससे जहां पहले कम दूध उत्पादन के कारण आमदनी सीमित थी, वहीं अब अधिक दूध मिलने से दुग्ध व्यवसाय से होने वाली आय में भी इजाफा हुआ है।

पशुपालन में वैज्ञानिक सोच को अपनाने की सीख

कोमल गौतम का अनुभव यह बताया है कि पशुपालन में केवल पशुओं की संख्या बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पशुओं की नस्ल, स्वास्थ्य, पोषण और वैज्ञानिक प्रबंधन पर भी ध्यान देना जरूरी है। नस्ल सुधार के

माध्यम से कम संख्या में भी बेहतर उत्पादकता हासिल की जा सकती है। कोमल अब अपने अनुभव को दूसरे पशुपालकों के साथ भी साझा कर रहे हैं। वे दुग्ध व्यवसाय से जुड़े पशुपालकों को पशुओं की नस्ल सुधार अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उनका कहना है कि यदि पशुपालक विभागीय योजनाओं और विशेषज्ञों की सलाह का लाभ लेकर उन्नत नस्ल के पशुओं को अपनाएं तो दूध उत्पादन बढ़ाकर अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं।

विभागीय मार्गदर्शन से मिली नई दिशा

कोमल गौतम की कहानी इस बात का उदाहरण है कि पशुपालन विभाग की योजनाएं और अधिकारियों का तकनीकी मार्गदर्शन ग्रामीण पशुपालकों के लिए आय बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। नस्ल सुधार की दिशा में उठया गया एक कदम उनके दुग्ध व्यवसाय के लिए बदलाव लेकर आया है। आज कोमल अपने पशुधन में बढ़े दूध उत्पादन और उससे होने वाली अतिरिक्त आय से उत्साहित हैं। उनका अनुभव दूसरे पशुपालकों के लिए भी प्रेरणा बन रहा है कि पारंपरिक पशुपालन के साथ आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर दुग्ध व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है।

विविधीकृत खेती ने बदली सुरेंद्र जैतवार की खेती की तस्वीर

मछलीपालन, मुर्गीपालन, पशुपालन, फलोद्यान और सब्जियों के साथ खेती में अपनाया नवाचार

जगप्रेरणा बालाघाट।

खेती में नवाचार और अलग-अलग कृषि गतिविधियों को एक साथ अपनाकर किसान अपनी आमदनी के नए रास्ते खोल सकते हैं। इसका उदाहरण वारासिवनी तहसील के ग्राम भांडी निवासी कृषक श्री सुरेंद्र जैतवार हैं, जिन्होंने कृषि विभाग की ऋंष्ठ (रेनफेड एरिया डेवलपमेंट) योजना का लाभ लेकर अपने खेत को विविधीकृत कृषि गतिविधियों के मॉडल के रूप में विकसित किया है। सुरेंद्र जैतवार ने खेती को केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित न रखते हुए अपने खेत में मछलीपालन, मुर्गीपालन, पशुपालन, वर्मी टाका, फलोद्यान और विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया है। इससे उनके खेत में कृषि के साथ-साथ पशुपालन एवं मत्स्यपालन को जोड़कर एक समन्वित कृषि प्रणाली विकसित हुई है।

सुरेंद्र जैतवार ने अपने खेत में सागौन, नीलगिरी (लिप्टन), काजू, हाथीफल, आम, केला, सेलवट और अमरूद सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए हैं। उनके खेत में इनकी संख्या 100 से अधिक है। फलदार पौधों के साथ विभिन्न उपयोगी प्रजातियों को शामिल करने से खेत की उपयोगिता और भविष्य की आय की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। इसके अलावा उन्होंने नींबू की विभिन्न किस्मों का भी रोपण किया है। खेत में अलग-अलग



प्रजातियों को अपनाकर उन्होंने यह दिखाया है कि सीमित क्षेत्र में भी योजनाबद्ध तरीके से विविध कृषि गतिविधियां संचालित की जा सकती हैं।

योजना के सहयोग से मिला खेती को नया स्वरूप

कृषि विभाग की ऋंष्ठ योजना के माध्यम से मिले सहयोग का लाभ उठाकर सुरेंद्र जैतवार ने अपने खेत में विविधीकृत कृषि प्रणाली को विकसित किया है। उनका मानना है कि किसान यदि खेती के साथ पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन, फलोद्यान और अन्य गतिविधियों को जोड़ें, तो खेती को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सकता है। सुरेंद्र जैतवार ग्राम भांडी के उन किसानों में शामिल हैं, जिन्होंने योजनाओं का लाभ लेकर

मछलीपालन, मुर्गीपालन से भी जुड़ी आय
सुरेंद्र जैतवार के खेत में मछलीपालन भी किया जा रहा है। उनके तालाब में रूपचंद, जलमा, पिंती सहित विभिन्न प्रजातियों की मछलियों का पालन किया जा रहा है। इससे उन्हें पारंपरिक कृषि के साथ मत्स्यपालन से भी आय का अवसर मिल रहा है। इसी तरह उन्होंने कड़कनाथ, बॉयलर और देसी किस्म के मुर्गे-मुर्गियों का पालन भी शुरू किया है। मुर्गीपालन और मछलीपालन जैसी गतिविधियों को कृषि के साथ जोड़कर उन्होंने खेत को बहुआयामी स्वरूप दिया है।
सुरेंद्र जैतवार खेती में नए प्रयोग करने के लिए भी जाने जाते हैं। उनके खेत में हल्दी की खेती की जा रही है। इस वर्ष उन्होंने खेती में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए सिंघाड़े और सूदन (जिमीकंद) की खेती की ओर भी रुझान दिखाया है। इस प्रकार एक ही किसान के खेत में अनाज एवं अन्य फसलों के साथ फलदार पौधे, औषधीय एवं उपयोगी फसलें, मछलीपालन, मुर्गीपालन, पशुपालन और जैविक खाद निर्माण जैसी गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

उसे अपने खेत में व्यवहारिक रूप से अपनाया और कृषि गतिविधियों में विविधता लाने का प्रयास किया है। वे कृषि विभाग की योजनाओं से मिले सहयोग के लिए विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उनकी खेती यह संदेश देती है कि कृषि में विविधता, नवाचार और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग किसान को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा सकता है।

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

11 मंगलवार 29 सितंबर 2026

जग प्रेरणा

ग्रामीण गोंदिया भंडारा

तिरोड़ा • गोरेगांव • आमगांव • सालेकसा • देवरी • मोरगांव अर्जुनी • तुमसर • साकोली • लाखादूर

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

‘सेवा, संस्कार और युवा शक्ति’ पर गूंजा वक्तृत्व का मंच, वंशिका ठाकरे विभाग में प्रथम

सुवर्ण दिव्या शिंगोळे
द्वितीय, उज्जला फुले
तृतीय..

जगप्रेरणा आमगांव।
राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) दिवस के अवसर पर आभासी पद्धति से विभागीय वक्तृत्व प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।



वंशिका नरेंद्र ठाकरे



सुवर्णदिव्या शिंगोळे



उज्जला दिगांबर फुले

देवरी (जि. गोंदिया) स्थित मनोहरभाई पटेल कनिष्ठ महाविद्यालय की कु. सुवर्णदिव्या सुर्गांत शिंगोळे ने द्वितीय तथा कारंजा घाडो (जि. वर्धा) के मॉडल कनिष्ठ महाविद्यालय की कु. उज्जला दिगांबर फुले ने तृतीय स्थान हासिल किया। चिमूर (जि. चंद्रपुर) के नेहरू कनिष्ठ महाविद्यालय के रतन राजू नत्रवरे तथा खरबी (नाका, जि. भंडारा) के विकास कनिष्ठ महाविद्यालय की कु. सृष्टि बुद्धपाल उके को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी विजेता एवं सहभागी रासेयो स्वयंसेवकों का अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सभी विजेताओं को नवंबर माह में सेवाग्राम में आयोजित राज्यस्तरीय शिविर में सम्मानित किया जाएगा। विभागीय ऑनलाइन वक्तृत्व प्रतियोगिता का संचालन प्रा. रवींद्र गुजरकर ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रा. उमेश पवार ने किया

रासेयो +2 नागपुर विभाग की ओर से ‘मेरा युवा भारत-विकसित भारत की ओर’ संकल्पना के तहत रविवार (27 सितंबर) को आयोजित इस प्रतियोगिता में ‘सेवा, संस्कार और युवा शक्ति-विकसित भारत का आधार’ विषय पर प्रतिभागियों ने प्रभावी विचार रखे। प्रतियोगिता का आयोजन रासेयो +2 नागपुर विभाग के विभागीय समन्वयक प्रा. रवींद्र गुजरकर ने रासेयो नागपुर विभाग के सहायक संचालक दीपेंद्र लोखंडे के मार्गदर्शन में किया। सहायक विभागीय समन्वयक प्रा. चंद्रशेखर गिरडे सहित नागपुर के प्रा. विवेक देसमुख, चंद्रपुर

के प्रा. भालचंद्र लोडे, गोंदिया के प्रा. गणेश भदादे, वर्धा के प्रा. उमेश पवार तथा गडचिरोली के प्रा. विजय मेथ्राम एवं विभाग के सभी कार्यक्रम अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। नागपुर विभाग के विभिन्न जिलों से कुल 42 प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज कराई। प्रतिभागियों ने अपनी प्रभावी वक्तृत्व शैली के माध्यम से विकसित भारत को लेकर विचार प्रस्तुत किए। कड़ी प्रतिस्पर्धा में नागपुर के जी.एस. कॉलेज ऑफ कॉमर्स की कु. वंशिका नरेंद्र ठाकरे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

तामिल कुमार टेंभरे की शिवसेना ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्ति..

जगप्रेरणा सालेकसा।
शिवसेना ओबीसी विभाग के आमगांव-देवरी विधानसभा कार्यक्षेत्र के जिलाध्यक्ष पद पर तामिल कुमार टेंभरे, दरबड़ा (ता. सालेकसा, जि. गोंदिया) की नियुक्ति की गई है।



आदेशानुसार तामिल कुमार टेंभरे को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष तामिल कुमार टेंभरे पर ओबीसी समाज के विभिन्न मुद्दों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने, शिवसेना ओबीसी विभाग के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने तथा संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी रहेगी। नियुक्ति की अवधि अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी, ऐसा नियुक्तिपत्र में उल्लेख किया गया है। तामिल कुमार टेंभरे की नियुक्ति पर विभिन्न स्तरों से उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं। उनकी नियुक्ति से आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना ओबीसी विभाग के संगठनात्मक कार्यों को गति मिलने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है।

‘स्कूल विजिट’ उपक्रम से बोदलबोडी आदर्श स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता का लिया जायजा

शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की प्रगति एवं भौतिक सुविधाओं का निरीक्षण, वरिष्ठ अधिकारियों ने स्कूल के प्रयासों की सराहना की..



जगप्रेरणा सालेकसा।
जिला परिषद वरिष्ठ प्राथमिक आदर्श स्कूल, बोदलबोडी में आयोजित ‘स्कूल विजिट’ उपक्रम के माध्यम से स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता,

विद्यार्थियों की प्रगति,अध्यापन पद्धति, शैक्षणिक वातावरण तथा भौतिक सुविधाओं का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रत्यक्ष निरीक्षण किया गया। विद्यार्थियों की उत्कृष्ट सहभागिता तथा स्कूल में गुणवत्ता विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों पर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त करते हुए स्कूल के कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर MIEPA के संचालक श्री प्रकाश मुकुंद, गोंदिया जिले के प्राथमिक शिक्षा अधिकारी श्री पवन खंदारे, डाइट के वरिष्ठ अधिव्याख्याता डॉ. नरेश वैद्य, वरिष्ठ शिक्षा विस्तार अधिकारी श्री आर. एच. रहांगडाले, कनिष्ठ शिक्षा विस्तार अधिकारी श्री बी. ओ. ठाकरे, केंद्र समन्वयक श्री कावळे, श्री सुनील हरितखेडे, श्री मुकेश रहांगडाले, विशेष शिक्षक श्री बघेले, श्री तुर्कर एवं श्री खरसे उपस्थित थे। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बोदलबोडी के सरपंच देवेन्द्र पटेल, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रतीराम नाईक तथा उपाध्यक्ष लीलाधर पाथोडे की भी उपस्थिति रही। उनकी उपस्थिति से स्कूल, ग्राम पंचायत तथा स्कूल प्रबंधन समिति के बीच बेहतर समन्वय का परिचय मिला।

वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, कक्षा में सहभागिता, अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया तथा स्कूल में संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनके अध्ययन स्तर को भी समझने का प्रयास किया।

स्कूल में गुणवत्ता विकास के लिए शिक्षकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की अधिकारियों ने सराहना की। विद्यार्थियों में दिखाई दे रहे सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तथा विभिन्न गतिविधियों में उनकी उत्कृष्ट सहभागिता पर भी अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निरंतर प्रयासों का आह्वान..

इस अवसर पर अधिकारियों ने शिक्षकों का मार्गदर्शन करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करने, नवीन एवं प्रभावी अध्यापन पद्धतियों को अपनाने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। स्कूल की शैक्षणिक प्रगति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। इस ‘स्कूल विजिट’ से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में नए उत्साह का संचार हुआ है। बोदलबोडी आदर्श स्कूल के शैक्षणिक गुणवत्ता विकास को इससे निश्चित रूप से नई दिशा मिलेगी, ऐसी भावना उपस्थितों द्वारा व्यक्त की गई।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें संजीव बापट गोंदिया मो. 9922607145

‘सेवा संकल्प अभियान’ में तिरोड़ा तालुका का अभिनव उपक्रम..

तिरोड़ा के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण खबर : बीपीएचयू में एलिसा जांच शुरू, संदिग्ध मरीजों से लाभ लेने की अपील..



जगप्रेरणा तिरोड़ा।

जिले में गोरेगांव के बाद तिरोड़ा तालुका की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ी है। ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत तिरोड़ा तालुका ने अभिनव पहल करते हुए 23 सितंबर से ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट (BPHU), तिरोड़ा में एलिसा (ELISA) जांच शुरू की है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोलहार की विशेष संकल्पना एवं मार्गदर्शन में तिरोड़ा के BPHU में आधुनिक बैक्टीरियो लॉजिकल इनक्यूबेटर स्थापित किया गया है। इससे अब यह जांच सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो गई है। 23 सितंबर को तिरोड़ा तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दर्शना नंदागवली तथा BPHO चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रांजली पाटील ने BPHU लैब का निरीक्षण किया। इस दौरान तालुका स्वास्थ्य सहायक लीलाधर निपाने, क्षय रोग पर्यवेक्षक भोजेंद्र बोपचे व अनुपम बनसोड, कुछ रोग पर्यवेक्षक सुरेश येरणे, प्रयोगशाला वैज्ञानिक अधिकारी शुभांगी रहांगडाले व वीणा कोरे, लेखापाल मनोज सातपुते तथा कार्यक्रम सहायक माधुरी रहांगडाले उपस्थित रहे।

इस सुविधा के माध्यम से अब तिरोड़ा में ही डेंगू, चिकनगुनिया और स्क्रब टाइफस जैसे गंभीर एवं संक्रामक रोगों की सटीक एलिसा जांच की जा सकेगी। इससे मरीजों को निजी प्रयोगशालाओं में हजारों रुपये खर्च करने अथवा जांच के लिए जिला अस्पताल जाने

की आवश्यकता नहीं होगी। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अभिजीत गोलहार ने अन्य सभी तालुकाओं के स्वास्थ्य अधिकारियों को भी ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत नागरिकों के लिए एलिसा जांच हेतु आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। तालुका स्वास्थ्य अधिकारी की अपील..

तिरोड़ा तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दर्शना नंदागवली ने तालुका की जनता एवं सभी चिकित्सा अधिकारियों से अपील की है कि तिरोड़ा तालुका के अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उपकेंद्र एवं गांवों में डेंगू, चिकनगुनिया या स्क्रब टाइफस जैसे लक्षणों वाले संदिग्ध मरीजों के रक्त के नमूने BPHU तिरोड़ा में जांच के लिए भेजे जाएं।

बताया कि इस सुविधा से इंदोरा, वडेगांव, मुंडिकोटा, सुकड़ी/डाक और बेरडीपार इन 5 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अंतर्गत आने वाली 95 ग्राम पंचायतों के 122 गांवों के नागरिकों को निःशुल्क जांच का लाभ मिल सकेगा। डॉ. दर्शना नंदागवली ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस सरकारी स्वास्थ्य सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क कर अपने नमूने तिरोड़ा में जांच के लिए भेजें।

25 दिनों बाद मिल रहा घरेलू ग्राहकों को गैस सिलेंडर, होटल-टपरियों में धड़ल्ले से इस्तेमाल..

व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस के इस्तेमाल पर रोक के आदेश कागजों तक सीमित, जांच और कार्रवाई पर उठे सवाल..



जगप्रेरणा आमगांव।
घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई उपभोक्ताओं का आरोप है कि उन्हें बुकिंग के बाद करीब 25 दिनों तक सिलेंडर का इंतजार

करना पड़ रहा है। दूसरी ओर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के होटल, टपरी, ढाबे, कैटरिंग व्यवसाय, मैरिज हॉल तथा खाद्य पदार्थ बनाने वाले प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का खुलेआम इस्तेमाल किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे सरकारी नियमों के पालन और आपूर्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक इस्तेमाल को रोकने के लिए राज्य सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। मैरिज हॉल, लॉन, हॉल, कैटरिंग सेवा, होटल तथा अन्य खाद्य पदार्थ निर्माण स्थलों पर केवल व्यावसायिक गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करने के निर्देश हैं। साथ ही संबंधित प्रतिष्ठानों के दर्शनीय स्थान पर ‘यहां केवल व्यावसायिक गैस सिलेंडर का ही इस्तेमाल किया जाएगा, घरेलू गैस का इस्तेमाल करना कानूनन अपराध है’ आशय का सूचना बोर्ड लगाना भी अनिवार्य किया गया है। उपभोक्ता दक्षता कल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन सोलंके द्वारा इस संबंध में मांग किए

जाने के बाद सहसचिव अशोक आत्राम ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों तथा आपूर्ति अधिकारियों को सरकारी निर्देशों का तत्काल पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर इन आदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

बोर्ड लगाने के निर्देश की अनदेखी..

सरकारी निर्देशों के अनुसार होटल, मैरिज हॉल, लॉन, कैटरिंग प्रतिष्ठानों और खाद्य पदार्थ निर्माण स्थलों पर व्यावसायिक गैस के इस्तेमाल संबंधी अनिवार्य सूचना बोर्ड लगाया जाना चाहिए। लेकिन आमगांव क्षेत्र में अनेक प्रतिष्ठानों में ऐसे बोर्ड दिखाई नहीं देने की शिकायतें हैं। इससे यह सवाल उठता है कि संबंधित विभाग द्वारा निर्देशों की वास्तविक स्थिति की जांच की जा रही है या नहीं।

हर महीने जांच का प्रावधान..

निर्देशों के अनुसार गैस एजेंसियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की नियमित जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की व्यवस्था है। हर महीने की 5 तारीख तक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। बावजूद इसके स्थानीय स्तर पर

व्यापक और प्रभावी जांच अभियान दिखाई नहीं देने की शिकायत उपभोक्ताओं द्वारा की जा रही है।

कार्रवाई के बजाय खानापूर्ति का आरोप..

घरेलू गैस का व्यावसायिक इस्तेमाल पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ दंडात्मक अथवा कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। हालांकि, उपभोक्ताओं और संगठन के प्रतिनिधियों का आरोप है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे नियमों का उल्लंघन करने वालों में कार्रवाई का भय नहीं रह गया है।

अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल..

सरकार ने जांच में लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ महाराष्ट्र नागरी सेवा नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर कार्रवाई में अपेक्षित तेजी नहीं दिखाई देने की बात कही जा रही है।

एक ओर घरेलू उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू सिलेंडरों के कथित इस्तेमाल की शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में जिला आपूर्ति अधिकारी और खाद्यान्न आपूर्ति अधिकारी सरकारी निर्देशों को जमीनी स्तर पर कब और किस तरह लागू करते हैं, इस पर उपभोक्ताओं की नजर है। नागरिकों ने घरेलू गैस की आपूर्ति व्यवस्था की जांच करने के साथ ही व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू सिलेंडर के इस्तेमाल के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

वाचनालय के सामने से मोटरसायकल चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले के तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 27/9/2026 के सुबह 11 बजे से 6 बजे के दरम्यान लक्ष्मण वाचनालय तिरोड़ा के सामने फर्यादी विदेश रामटेके उम्र 32 वर्ष निवासी उमरी ने अपनी मोटसायकल क्रमांक एम एच 35 वी 2106 किमत 15 हजार की रखी थी। घटना समय के दरम्यान अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे तिरोड़ा मे अपराध क्रमांक 999/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा नामुते 1194 पोस्टे तिरोड़ा कर रहे है।

नाचने की बात पर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले के रावणवाडी पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/9/2026 के शाम 7 बजे के दरम्यान मुरपार मे फर्यादी बुद्धेश्वर बाबुलाल लिहारे उम्र 43 वर्ष निवासी मुरपार अपने दोस्त के साथ नाच रहे थे। आरोपी ने कहा मेरे साथ नाच फर्यादी ने मना किया तो आरोपी ने धक्का देने से वह रोड पर गिरे सर मे गंभीर चोट लगने से दिये शिकायत पर पोस्टे रावणवाडी मे अपराध क्रमांक 515/2026 धारा 125, ए, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा मरस्कोले 120 पोस्टे रावणवाडी कर रहे है।

गांजा पीते युवक पकड़ाया मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत गांजा पिने का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/9/2026 के शाम 7 बजे के दरम्यान पिंडकेपार नाता परिसर मे आरोपी राज वाघाडे यह चिलम मे गांजा भरकर पी रहा था। फर्यादी पोहवा सुदेश टेंभरे ने दो पंचों के समक्ष आरोपी के पास से 1 चिलम ,1 नग माचिस, 1 सफेद रंग की कपड़ा पट्टी जप्त कर दिये शिकायत पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अपराध क्रमांक 789/2026 धारा 27 अमली पदार्थ अधिनियम 1985 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा सुदेश टेंभरे कर रहे है।

रेती चोर ट्रैक्टर ट्रॉली सहित पकड़ाया मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।
गोंदिया जिले के दवनीवाडा पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/9/2026 के रात 8 बजे के दरम्यान सालईटोला मे आरोपीयो ने अपने ट्रैक्टर ट्राली मे 1 ब्रास रेती भरकर ले जा रहे थे। फर्यादी पोहवा रयाज शेख ने उसे रोककर कागज पूछा तो आरोपी के पास कोई पास परमिशन नही थी। वैनगंगा घाट से रेती चोरी कर ले जाते समय पकड़ाये जाने से ट्रैक्टर ट्रॉली और एक ब्रास रेती कुल 9 लाख 56 हजार रुपये का माल जप्त कर दिये शिकायत पर पोस्टे दवनिवाडा मे अपराध क्रमांक 494/2026 धारा 205, ई,49, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच सफौ सचिन टेंयुणीकर 317 पोस्टे दवनीवाडा कर रहे है।

